राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप समाज कार्य के स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा

NEP-2020 PATERN

ज्ञान शांति मैत्री

सत्र: 2022-23

वर्धा समाज कार्य संस्थान

WARDHA SAMAJ KARYA SANSTHAN

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA

WARDHA, MAHARASHTRA

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले पाठ्यक्रम ढॉचा (**NEP-2020 PATERN**) के वर्धा समाज कार्य संस्थान द्वारा संचालित किए जाने वाले समाज कार्य के स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा का विवरण इस प्रकार है –

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार उच्च शिक्षा हेतु क्रियान्वयन के निम्नलिखित सूत्र दिये गये हैं:

- विद्यार्थी को सक्रिय रूप से सीखने के व्यावहारिक पक्ष के साथ जुड़ने के लिए शोध इंटर्नशिप।
- संस्थागत के साथ-साथ स्थानीय उद्योग, व्यवसाय, कलाकार, शिल्पकार आदि के साथ इंटर्नशिप।
- रोज़गार की संभावनाओं पर आधारित प्रशिक्षण।
- उपयुक्त प्रमाण पत्र के साथ निकास के कई विकल्पों के साथ 4 वर्ष की अवधि की स्नातक उपाधि।
- 1 साल पूरा करने पर सर्टिफिकेट।
- 2 साल पूरा करने पर डिप्लोमा।
- 3 साल के कार्यक्रम के बाद स्नातक की डिग्री।

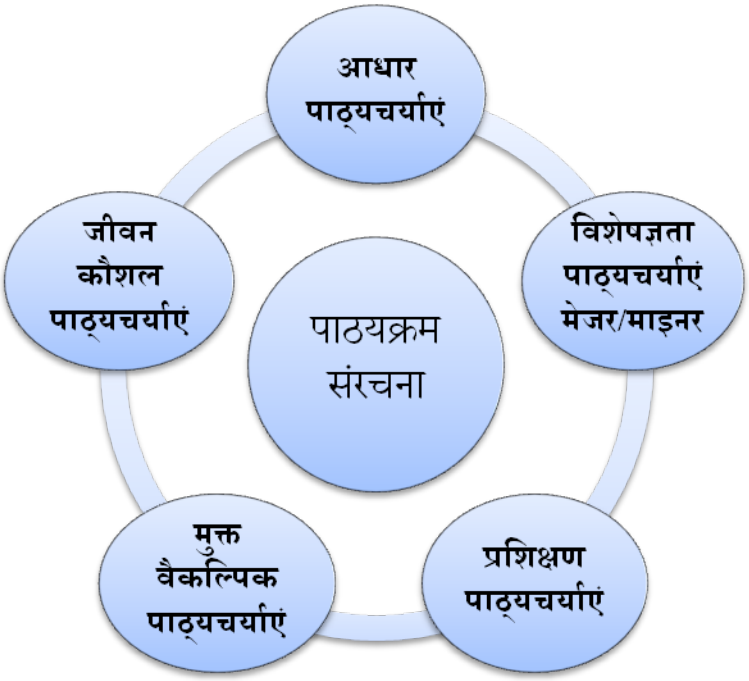

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम :** वर्धा समाज कार्य संस्थान
(Name of the Department/Centre): **Wardha Samaj karya Sasthan**

1. **पाठ्यक्रम का नाम :** समाज कार्य में स्नातक
(Name of theProgramme): **Social Work Graduation**
2. **पाठ्यक्रम कोड :** **SWG**
(Code of theProgramme)

3. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
(Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का वर्धा समाज कार्य संस्थान, समाज कार्य के विद्यार्थियों को सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील एवं सृजनात्मक मूल्यों से युक्त भारतीय समाज कार्य-अभ्यास के लिए आवश्यक ज्ञान, मूल्य, निपुणताएं और कौशल निर्माण में सहायता करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में निम्नलिखित ज्ञान संबंधी बोध पैदा करना है- 1. भारतीय समाज की समझ विकसित करना। 2. समाज कार्य की अवधारणा से परिचित कराना। 3. समाज कार्य के विभिन्न आयामों की समझ विकसित करना। 4. समाज कार्य के नवीन विमर्शों से परिचित कराना।	समाज कार्य विशेष रूप से, क्षेत्र संबंधी विशेष ज्ञान पर निर्भर है। इस कार्यक्रम का कौशल/ दक्षता संबंधी उद्देश्य निम्न है- 5. अभ्यास, अनुसंधान एवं विकास संबंधी कौशल निर्मिति। 6. सामाजिक योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन संबंधी कौशल निर्मिति। 7. व्यक्ति, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के साथ मूल्यांकन एवं हस्तक्षेप संबंधी कौशल का निर्माण।	समाज कार्य कार्यक्रम के उपरांत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का रोजगार संबंधी उद्देश्य निम्न है- 8. विभिन्न राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में नियुक्ति हेतु सक्षम बनाना। 9. विभिन्न कौशलों से युक्त आत्मनिर्भर (स्वारोजगार/स्वयं के गैर सरकारी संगठन) सामाजिक कार्यकर्ता का निर्माण।

स्नातक कार्यक्रम संरचना

(बहुल प्रवेश और निकास बिन्दुओं की लचीली प्रणाली)

प्रवेश बिंदु	वर्ष	सेमेस्टर	कुल क्रेडिट (मेजर एवं माइनर)	कुल अवधि	निकासबिंदु	उपाधि
→	पहला वर्ष	पहला	20	90 दिन	→	सर्टिफिकेट
↳		दूसरा	20	90 दिन		
	दूसरा वर्ष	तीसरा	20	90 दिन	→	डिप्लोमा
↳		चौथा	20	90 दिन		
	तीसरा वर्ष	पाँचवा	20	90 दिन	→	स्नातक
↳		छठा	20	90 दिन		
	चौथा वर्ष विकल्प-1	सातवाँ	20	90 दिन	→	शोध सहित स्नातक
↳		आठवाँ	20	90 दिन		
	चौथा वर्ष विकल्प-2	सातवाँ	20	90 दिन	→	विशेषज्ञता सहित स्नातक
		आठवाँ	20	90 दिन		

पाठ्य संरचना

वर्ष	सेमेस्टर	क्रेडिट विवरण (कुल क्रेडिट: प्रति सेमेस्टर 20) पाठ्यचर्या का प्रकार एवं अनुपात							
		मूल (Core)	ऐच्छिक (Elective)	मूल (Core)	ऐच्छिक (Elective)	मूल (Core)	क्रेडिट	ऐच्छिक (Elective)	क्रेडिट
प्रथम	**I**	60%	40%	12 **क्रेडिट**	8 **क्रेडिट**	सामाजिक समस्याएं (**SWC 01**)	**2**	गांधीयन समाज कार्य (**SWE 01**)	**4**
						समाज कार्य प्रणाली (**SWC 02**)	**4**	गैर सरकारी संगठन का परिचय (**SWC 02**)	**4**
						समाज कार्य कौशल भाग- 1 (**SWC 03**)	**2**		
						समवर्ती क्षेत्र कार्य (**SWC 04**)	**4**		
						कुल क्रेडिट	**12**		**8**
	II	60%	40%	12 **क्रेडिट**	8 **क्रेडिट**	समाज कार्य के क्षेत्र (**SWC 05**)	4	देशज समाज कार्य (**SWE 03**)	4
						ग्रामीण समुदाय में काम करने के कौशल (**SWE 06**)	4	पर्यावरण प्रबंधन (**SWE 04**)	4
						समाज कार्य कौशल भाग- 2 (**SWC 07**)	2		
						समववर्ती क्षेत्र कार्य (**SWC 08**)	4		
						कुल क्रेडिट	**12**		**8**
द्वितीय	I	60%	40%	12 **क्रेडिट**	8 **क्रेडिट**	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य (**SWC 08**)	4	संघर्ष प्रबंधन (**SWE 05**)	4
						मानव वृद्धि विकास एवं व्यवहार का परिचय (**SWC 09**)	4	कल्याणकारी योजनाएं (**SWE 06**)	4
						समवर्ती क्षेत्र कार्य (**SWC 10**)	4		
						कुल क्रेडिट	**12**		**8**
	II	60%	40%	12 **क्रेडिट**	8 **क्रेडिट**	समुदायिक संगठन	4	संचार के तकनीक और उपकरण	4
						सामाजिक समूह कार्य	4	विद्यालयी समाज कार्य	4
						समवर्ती क्षेत्र कार्य	4		
						कुल क्रेडिट	**12**		**8**
तृतीय	I	60%	40%	12 **क्रेडिट**	8 **क्रेडिट**	विशिष्टता 1 (विद्यार्थियों को दो विकल्पों में से एक का चुनाव करना होगा)	4	एकीकृत समाज कार्य अभ्यास	4
						समाज कार्य शोध	4	सामाजिक नीति एवं नियोजन	4
						समवर्ती क्षेत्र कार्य	4		

						कुल क्रेडिट	**12**		**8**
	II	60%	40%	12 **क्रेडिट**	8 **क्रेडिट**	विशिष्टता-2 (विद्यार्थी द्वारा पूर्व सत्र में लिए गए विकल्प से ही चुनाव करना है)	4	सामाजिक विधान और सामाजिक न्याय	4
						समाज कल्याण प्रशासन	4	सामुदायिक विकास	4
						समवर्ती क्षेत्र कार्य	4		
						कुल क्रेडिट	**12**		**8**
चतुर्थ विकल्प-1 शोध सहित स्नातक	I	80%	20%	16 **क्रेडिट**	4 **क्रेडिट**	शोध के मूल	4	आपदा प्रबंधन	4
						समाज कार्य शोध की प्रविधि	4		
						अनुप्रयुक्त अनुसंधान	4		
						समवर्ती क्षेत्र कार्य	4		
						कुल क्रेडिट	**16**		**4**
	II	80%	20%	16 **क्रेडिट**	4 **क्रेडिट**	सांख्यिकी के मूल तत्व	4	समाज कार्य विचारधारा	4
						शोध एवं प्रकाशन की नैतिकता	4		
						लघु शोध प्रबंध	6		
						मौखिकी	2		
						कुल क्रेडिट	**16**		**4**
चतुर्थ विकल्प-2 विशेषज्ञता सहित स्नातक	I	80%	20%	16 **क्रेडिट**	4 **क्रेडिट**	सतत विकास	4	आपदा प्रबंधन	4
						विशिष्टता -1 (विद्यार्थियों को दो विकल्पों में से एक का चुनाव करना होगा)	4		
						विशिष्टता-2 (विद्यार्थियों को चुने गए विकल्प से संबंधित)	4		
						समाज कार्य में क्रिया एवं वकालत	4		
						कुल क्रेडिट	**20**		**0**
	II	80%	20%	16 **क्रेडिट**	4 **क्रेडिट**	वृद्धावस्था समाज कार्य **(SWE 04)**	4	समाज कार्य विचारधारा	4
						विशिष्टता -3 (विद्यार्थियों को दो विकल्पों में से एक का चुनाव करना होगा)	4		
						विशिष्टता-4 (विद्यार्थियों को चुने गए विकल्प से संबंधित)	4		
						लघु शोध प्रबंध	6		
						मौखिकी	2		
						कुल क्रेडिट	**20**		**0**

वर्ष- प्रथम
सेमेस्टर- प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	30

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** **सामाजिक समस्याएं**
(Name of the Course): **Social Problems**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **SWC 01**
3. **क्रेडिट:** **2**
4. **सेमेस्टर:** **प्रथम**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

सामाजिक समस्या नामक इस पाठ्यचर्या का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य समाज, उसकी संरचना, विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों के समाजीकरण में उनकी भूमिकाओं के बारे में समाज कार्य के विद्यार्थियों को उन्मुख करना है। मानव समाज न तो कभी सामाजिक समस्याओं से पूर्णतः मुक्त रहा है और न ही रहने की संभावना निकट भविष्य में नजर आती है, परंतु इतना तो निश्चित है कि आधुनिक समय में बढ़ती संचारक्रांति तथा शिक्षा के प्रति लोगों की जागरूकता के फलस्वरूप मनुष्य इन समस्याओं के प्रति संवेदनशील एवं सजग हो गया है। सामाजिक समस्याओं के प्रति लेगों का ध्यान आकर्षित करने में जन संचार के माध्यम-टेलीविजन, अखबार एवं रेडियो आदि ने अति महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहनकिया है। समाज कार्य के विद्यार्थी को भी विभिन्न सामाजिक समस्याओं और मुद्दों के प्रति संवेदित होने और उन्हें समझने के लिए एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से वे इन संवेदनशील मुद्दों को समझ सकने में सक्षम होंगे। वर्तमान समय में भारतीय समाज अनेक सामाजिक समस्याओं से जकड़ा हुआ है, जिनके निवारण के लिए राज्य एवं समाज द्वारा मिलकर प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय समाज की प्रमुख समस्याओं में जनसंख्या बढ़ोतरी, निर्धनता, बेरोजगारी,असमानता, अशिक्षा, गरीबी, आतंकवाद, घुसपैठ, बाल श्रमिक, श्रमिक असंतोष, छात्र असंतोष, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, जानलेवा बीमारियां, दहेज़, बालविवाह, भ्रूण हत्या, विवाह विच्छेद की समस्या, बाल अपराध, जातिवाद और अस्पृश्यता की समस्या ये सभी सामाजिक समस्याओं के अंतर्गत आती है। सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए यह आवश्यक है कि इनकी प्रकृति को समझा जाए एवं स्वरूपों की व्याख्या की जाए। भिन्न-भिन्न सामाजिक समस्याओं के मध्य पाए जाने वाले परस्पर संबंधों का विश्लेषण एवं अनुशीलन करने के लिए विद्यार्थियों में व्यावहारिक निराकरण के लिए एक नई सोच विकसित की जा सकती है। इसलिए यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में समकालीन भारतीय सामाजिक समस्याओं पर एक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करेगा। यह उन्हें समतावादी समाज के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त विकल्पों की तलाश करने में भी मदद करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में सामजिक समस्याओं एवं समाज में व्यक्ति की भूमिका और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव की समझ विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थियों में सामाजिक विषमताओं और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि का विकास हो सकेगा।

- विद्यार्थियों में सामाजिक समस्याओं के विभिन्न रूपों की समझ विकसित हो सकेगी एवं विभिन्न सामाजिक समस्याओं और समाज पर इसके पड़ने वाले प्रभाव, विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों की समझ विकसित हो सकेगी।
- समाज कार्य के क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों में स्पष्टता विकसित हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सामाजिक समस्याओं का स्वरूप	1. सामाजिक समस्या की संकल्पना, विशेषताएँ,कारण और प्रकार	2	1	1	7	23.33
	2. सामाजिक अव्यवस्था : संकल्पना, विशेषताएँ, जनसंख्या जनसंख्या विस्फोट के कारण एवं प्रभाव।	2		1		
मॉड्यूल-2 सामाजिक संरचनात्मक समस्याएं	1. परिचय, परिभाषाएं एवं प्रकृति एवं सामाजिक समस्याओं के कारण	3	1	1	9	30.00
	2.भाषावाद तथा इसके निवारण से संबंधित अनुच्छेद	2	1			
	3. अधिनियम एवं गैर-सरकारी व स्वयंसेवी प्रयास	1				
मॉड्यूल-3 आत्महत्या, वृद्ध समस्या और अपराध	1. आत्महत्या : अर्थ, कारण और विशेषताएँ	2	1	1	6	20.00
	2.वृद्ध समस्या: अर्थ, कारण और विशेषताएँ	1				
	3.अपराध: संकल्पना, प्रकार एवं विशेषताएँ	1				
मॉड्यूल-4 अन्य सामाजिक समस्याएँ	1.सफेदपोश अपराध: संकल्पना, प्रकार एवं विशेषताएँ	2	1	1		26.67
	2.भ्रष्टाचार: संकल्पना, प्रकार एवं विशेषताएँ	2				
	3.अन्य उभरती सामाजिक समस्याएँ	2				
योग		**20**	**05**	**05**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज में व्यक्ति की भूमिका और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव को समझना।	सामाजिक असमानताओं और सामाजिक समस्याओं के बारे में वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करना।	सामाजिक समस्याओं के विभिन्न रूपों को समझना।	विभिन्न सामाजिक समस्याओं और समाज पर इसके प्रभाव, विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों को समझना के लिए।	समाज कार्य क्षेत्र में सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों में स्पष्टता विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Adinarayan, S. P. (1964) Social Psychology, New Delhi : Allied Publishers Pvt. Ltd. • Ahuja, Ram. 1997, Social Problems in India, Rawat Publications. • Ali, A.F. Iman (1992) Social Stratification Among Muslim-Hindu Community, New Delhi :Commonwealth Publishers. • Bhatnagar, Ved (1998) Challenges to India's Integrity : Terrorism, Casteism, Communalism, New • Delhi : Rawat Publication. • Bhusan, Vidya&Sachdeva, D. R. (2000) An Introduction to Sociology, Allahabad :KitabMahal. • Bottomore, T.B.,Sociology:Aguidetoproblemsandliterature,GeorgeAllenandUnwin(India), Bombay, • 1972. • C N Shankar Rao, 2001, Sociology Primary Principles, S. Chand & Company Ltd. • Collins.Inkeles, Alex,Whatis Sociology? Prentice-HallofIndia, New Delhi,1987. • Daydar, Bhau;Sociology:Themesand Perspectives, ShriSahitya Kendra, Nagpur • Desai, A. R. (1978, Reprinted 1994) Rural Sociology in India, Bombay : Popular Prakashan. • Durkheim E., 1952, Suicide, London, Routledge, Book 3. • Gandhi P. Jagadish (1982) Indian Economy – some issues, Institute of Social Sciences andResearch, Vellore. • Ghode R.N., and BhauDaydar, Sociology:Basicconcepts, S. SpectrumPublication, Nagpur. • HarlambosMichael, MartinHolbornand Robin Heald, 2000, Sociology: Themes and

		Perspectives,Jayaram, N.,IntroductorySociology, Macmillan India,Madras, 1988. • Johnson, HarryM., Sociology:ASystematic Introduction, Allied Publishers, NewDelhi,1995. • Madan, G.R. 2002 (revised edition) Indian Social Problems, Mumbai : Allied Publishers Pvt. Ltd. • MelvinM.Tumin, SocialStratification,Prentice-Hall,Inc., Englewood Cliffs, NewJersey. • Merton, R., 1968, Social Theory and Social Structure, Free Press, • Merton, R.K., 1938,Social Structure and Anomie, American Sociological Review. • Merton, R.K., 1957,Social Theory and Social Structure. Free Press, Glencoe, New York. • Misra, B.D., 1980, Introduction to the Study of Population, South Asian Publishers, New Delhi. • Mohanty, Manoranjan (2004) Class, Caste, Gender – Readings in Indian Government and Politics, • New Delhi : Sage Publication. • Puniyani, Ram (2003) Communal Politics : Facts Versus Myths, New Delhi : Sage Publication. • Ritzer, George, 2000, Classical Sociological Theory, New York: McGraw Hill. • Schaefer,RichardT.andRobertP. Lamm, Sociology, Tata-McGraw Hill,NewDelhi,1999. • Singh, Yogendra : Ideology and Theory in Indian Sociology, New Delhi : Rawat Publication. • Vaidya, N. S., Samajshastra, VidyaPrakashan,RuikarMarg,Nagpur. • Vivek, P.S., SociologicalPerspectivesandIndian Sociology, Himalaya PublishingHouse, • Mumbai, 2002
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_05_bharatiy_samajik_28_07_16.Pdf**
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समाज कार्य प्रणाली**

Name of the Course : **Social Work Method**

2. पाठ्यचर्या का कोड : **SWC 02**

3. क्रेडिट : **4**

सेमेस्टर: **प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	6
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

- समाज कार्य शिक्षा की प्रकृति, दर्शन, ऐतिहासिक विकास संबंधी समझ।
- समाज में कार्य करने के तरीके (प्रणाली) से परिचय।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य करने के तरीके से साथ-साथ समाज कार्य व्यवसाय के स्वदेशी विचारधारा, गांधीवादी मूल्य, आचार संहिता और लोकनीतियों के प्रति जागरूकता की समझ।
- विद्यार्थियों को परोपकार, दान, लोक हित और कल्याण की भावना से परिपूर्ण करेगा।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) CLOs:

• विद्यार्थी में समाज कार्य शिक्षा की प्रकृति, दर्शन, ऐतिहासिक विकास संबंधी समझ से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी समाज कार्य सैद्धांतिकी एवं व्यहारिकी से परिचित हो सकेंगे।
• विद्यार्थी समाज में कार्य करने के तरीके (प्रणाली) को जान सकेंगे। • राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक समाज कार्यों की प्रकृति और विकास की समझ विकसित होगी। • समाज के साथ कार्य करने की विविध प्रणाली से परिचित हो सकेंगे।
• विभिन्न व्यवस्थाओं में काम करने वाले व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता द्वारा आवश्यक मूल्य, नैतिकता, ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल और तकनीकों के प्रति चेतना निर्मित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/		
	समाज कार्य की प्रणालियां: सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य	**10**	**4**	**4**	18	
मॉड्यूल-1	समाज कार्य की प्रणालियां परिचय	2	1	1		30
	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य का परिचय अर्थ, परिभाषाएं	1	1	1		
	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य अवधारणा , प्रकृति एवं लक्ष्य	2	1			

	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य सिद्धांत	1				
	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य के तत्व (अंगभूत) : व्यक्ति, समस्या, स्थान, प्रक्रिया, चरण	2		1		
	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य कौशल एवं तकनीके	2	1	1		
मॉड्यूल-2	**सामाजिक समूह कार्य एवं सामुदायिक संगठन**	**13**	**3**	**2**	18	30
	सामाजिक समूह एवं प्रकार	**1**	1			
	समूह कार्य का इतिहास	1				
	सामाजिक समूह कार्य अर्थ, परिभाषा एवं उद्धेश्य	1				
	समूह कार्य सिद्धांत	1				
	समूह कार्य की अवस्थाऐ एवं चरण (प्रक्रिया)	1		1		
	सामुदाय की अवधारणा एवं प्रकार	1				
	सामुदायिक संगठन- अर्थ, परिभाषा एवं उद्धेश्य	1	1			
	सामुदायिक संगठन- प्रक्रिया एवं क्षेत्र	1				
	सामुदायिक संगठन सिद्धांत एवं प्रारूप	1				
	सामुदायिक संगठन के चरण	1	1			
	सामुदायिक संगठन कौशल एवं निपुणताएं	1				
	सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता की भूमिका	1				
	एक प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन	1				
मॉड्यूल-3	**सामाजिक क्रिया**	**8**	**2**	**2**	12	20
	समाज कार्य में सामाजिक क्रिया	2	1			
	सामाजिक क्रिया : अवधारणा एवं प्रकृति	1				
	समाज कार्य की प्रणाली के रूप में सामाजिक क्रिया	1				
	सामाजिक क्रिया का इतिहास और विकास	2				
	जनसंपर्क और संकट प्रबंधन: कठपुतली, गीत, लोकगीत, रंगमंच, पोस्टर, आदि का उपयोग।	2	1	2		
	समाज कल्याण प्रशासन एवं सामाजिक शोध	**8**	**2**	**2**	12	20
मॉड्यूल-4	समाज कल्याण प्रशासन- अर्थ एवं परिभाषाएं	1	1			
	संकल्पना, प्रकृति, क्षेत्र एवं प्रक्रिया	1				
	भारत में समाज कल्याण प्रशासन के कार्य	1				
	सामाजिक अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, उद्धेश्य	2				
	अनुसंधान के प्रकार	1		1		
	समाज कार्य अनुसंधान	1				
	अनुसंधान क्रियाविधि	1	1	1		
योग		39	11	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा, सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE, LMS, YouTube, Film Screening

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓					

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**1.** Skidmore, A. A., Thackeray, M. G. & Farley O. W. (1997). *Introduction to social work*. Boston: Allyn & Bacon. 2. Siporin, M. (1975). *Introduction to social work practice*. New York: Macmillan Publishing Inc. 3. Zastrow, C. (1995). *The practice of social work* (5th ed.). California: Brooks/Cole

		Publishing Company. 4. Dubois, B. & Miley, K. K. (2002). *Social work: An empowering profession*. London: Allyn and Bacon. 5. Miley, K. K., O'Melia, M., & DuBois, B. L. (1998). *Generalist social work practice: An empowering approach*. Boston: Allyn & Bacon. 6. Clark, C. & Asquith, S. (1985). *Social work and social philosophy*. London: Routledge and Kegan Paul. 7. Payne, M. (2005). *Modern social work theory.* New York: Palgrave/ MacMillan. 8. Dominelli, L. (2004). *Social work: theory and practice for a changing profession.* Cambridge: Polity Press. 9. Woodrofe, K. (1962). *From charity to social work*. London: Routledge and Kegan Paul. 10. Parsons, R. J., Jorgensen, J. D. & Hernandez, S. H. (1994). *The integration of social work practice*. California: Brooke/Cole. 11 Desai, M. (2002). *Ideologies and social work: Historical and contemporary analyse*. Jaipur,: Rawat Publications 14 Sajid S. M., & Jain, R. (2018). *Reflections on social work profession*. New Delhi: Bloomsburry 15. Bhatt, S., & Singh, A. P. (2015). *Social work practice: The changing context*. The Readers Paradise, New Delhi, ISBN: 978-93-82110-43-9 16 Bhatt, S., & Pathare, S. (2014). *Social work education and practice engagement.* ISBN: 9788175417571(HB), 9788175417953(PB), Shipra Publications, New Delhi, 17. Nair, T. K (2015). *Social Work Profession in India: An Uncertain Future*. Niruta Publication
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Pincus, A. &. Minnahan, A. (1973). *Social work practice: Model and method*. Itasca: Peacock. 2 Diwekar, V. D. (ed.) (1991). *Social reform movements in India: A historical perspective*. Bombay: Popular Prakashan. 3. Gore, M. S. (1993). *The social context of ideology: Ambedkar's social and political thought*. New Delhi: Sage Publishing. 4. Compton, B. & Galaway, B. (1984). *Social work processes*. Chicago: The Dorsey Press. 5. Brill, N. I. & Levine, J. (2002). *Working with people: The helping process*. Boston: Allyn and Bacon. 6. Reamer, F. G. (1999). *Social work values and ethics*. New York: Columbia University Press. 7. Timms, N. (1977). *Perspectives in social work*. London: Routledge and Kegan Paul. 8. Bailey, R. & Brake, M. (eds.) (1975). *Radical social work.* London: Edward Arnold (Publishers)Ltd. 9. Johnson, L. C. (1998). *Social work practice: A generalist approach.* Boston: Allyn and Bacon. 10. Trevithick, P. (2000). *Social work skills: A practice handbook*. Philadelphia: Open University Press. 11. Singh, S. & Srivastava, S. P. (2005). *Teaching and Practice of Social Work in India*. Lucknow, New Royal Book Company 12. Mohan, B. (2002). *Social work revisited*. Xillinis: Xillbris Corporation. 13. Bhatt, S., & Pathare, S. (2005). *Social work literature in India.* New Delhi, IGNOU, course material for BA and MA students 14 Bhatt, S., & Phukan, D. (2015). *Social work education in India*. New Delhi, AlterNotes Press

		15 Balgopal, P. R., & Bhatt, S. (2013). *Social Work Response to Social Realities*. Lucknow: NRBC. ISBN: 978-93-80685-78-6
3	ई-संसाधन	https://www.ifsw.org/ https://www.iassw-aiets.org/ http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MSW_01_02_09_16.Pdf

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** **समाज कार्य कौशल**
(Name of the Course): **(Social Work Skill) - I**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **SWC 03**
3. **क्रेडिट:** **2**
4. **सेमेस्टर:** **प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**15**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**05**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	**10**
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. **पाठ्यचर्या विवरण (**Description of Course)

- कौशल की समझ
- सेवा कौशल
- वैयक्तिक सेवा कार्य संबंधी कौशल
- समूह कार्य संबंधी कौशल

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

-

CLO	ज्ञान	• विद्यार्थी समाज कार्य संबंधी विविध कौशल से परिचित होंगे। • समाज कार्य के विविध प्रणालियों की समझ विकसित होगी।
CLO	कौशल	• विद्यार्थियों में स्व कौशल का विकास होगा।
CLO	रोजगार	• विभिन्न राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में नियुक्ति हेतु सक्षम बनेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद	कौशल विकास गतिविधियाँ/ प्रशिक्षण/ क्षेत्रकार्य		
मॉड्यूल-1	**सेवा कौशल**				10	33.33
	कौशल : अर्थ एवं अवधारणा	01				
	सहानुभूति, परानुभूति, उदासीनता, संचार, धैर्य, निष्पक्षतावाद, स्व मूल्याकन, स्व एवं व्यवसायिक स्व की पहचान एवं भेद,	01	01	01		
	दस्तावेजीकरण	01		01		
	व्यवसायिक सम्बन्ध निर्माण, वैकल्पिक समाधान की पहचान, दृढ़ता, लचीलापन	01				
	प्रदर्शन आकलन, स्वोट मूल्यांकन	01				

	भावनात्मक बुद्धि, परावर्तन, मूल्यों, नैतिकता और मानवाधिकारों को समझना	01				
	भिन्नता और विविधता को महत्व देना, लचीलापन और आत्म-देखभाल, तकनीकी का उपयोग, उर्ध्व, अधोगामी, एवं क्षैतिज संचार, समय प्रबंधन	01				
मॉड्यूल-2	**सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य संबंधी कौशल**				13	43.33
	परामर्श	01	01			
	व्यक्ति केंद्रित संचार	01				
	गृह भेट, साक्षात्कार	01				
	पारिवारिक पर्यावरण पहचान, सामाजिक पर्यावरण पहचान, स्वीकार, सीमित भावनात्मक भागीदारी	01				
	व्यवसायिक सम्बन्ध निर्माण	01				
	सतत मूल्यांकन, क्षमता पहचान एवं निर्माण	01				
	आलोचनात्मक दृष्टि, प्रदर्शन आकलन, प्रगति मूल्यांकन	01				
	बहु-विषयक टीमों के भीतर काम करना या उनका प्रबंधन करना	01		01		
	रिपोर्ट लिखना, सेवा कार्यक्रम विकसित करना, अनुदान प्रस्ताव लिखना और संगठनात्मक नीतियों और प्रक्रियाओं का मूल्यांकन करना	01		01		
	इलेक्ट्रोनिक उपकरणों का उपयोग, सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य में दस्तावेजीकरण	01				
मॉड्यूल-3	**सामाजिक समूह कार्य संबंधी कौशल**				7	23.34
	दूसरों को सशक्त बनाना, प्रतिनिधि बनाना, टीम बनाना	01		01		
	नेतृत्व करना और परिवर्तन का प्रबंधन करना सीखना। सतत् मूल्यांकन	01				
	प्रगतिशील कार्यक्रम का निर्माण, बैठक आयोजन, इलेक्ट्रोनिक उपकरणों का उपयोग	01				
	समूह गतिविधिया निर्माण एवं संचालन, सामाजिक समूह कार्य में दस्तावेजीकरण	01		01		
	उद्देश्यपूर्ण संबंध निर्माण, संगठनात्मक नीतियों और प्रक्रियाओं का मूल्यांकन करना	01				
योग		**22**	**02**	**06**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा, सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE, LMS, YouTube, Film Screening

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति							✓	✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र सं	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	Beistek, F. P. (1957). *The casework relationship*. Chicago: Loyola University Press. Davison, H. E. (1972). *Casework: A psychosocial therapy*. New York: Random House. Frankel, A. J. (2011). *Case management: An introduction to concepts and skills* (3rd ed.). New York. USA: Oxford University Press Hamilton, G. (2013). *Theory and practice of social case work*. New Delhi, India: Rawat Publications Hollis, F. (1964). *Casework: A psychosocial therapy*. New York: McGraw Hills Holosko, M. J. (2017). *Social work case management: Case studies from the frontlines*. California, USA: SAGE Publications Hudson, J. (2014). Structural functional theory, social work practice and education. T*he journal of Sociology and Social Welfare*, *5*. 2-18. Mathew, G. (1992). *An introduction to social casework*. Bombay: Tata Institute of Social Science Upadhyay, R. K. (2003). *Social casework: A therapeutic approach*. New Delhi, India: Rawat Publications Siddiqui, H. Y. (2015). *Social work & human relations*. New Delhi, India: Rawat Publications पाण्डेय, बा. एवं पाण्डेय ते. (२०१८) सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य, नयी दिल्ली: रावत प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Pearlman, H. H. (1957). *Social casework: A problem solving process*. Chicago: The University of Chicago Press. Pippins, J. A. (1980). *Developing casework skills*. California: Sage Publications. Reid, W. J. (1978). *The task-centered system.* New York: Columbia University Press. Richmond, M. E. (2010). *What is social case work? An introductory description* (1922). New York,

		USA: Kessinger Publishing Robert, R.W. & Nee, R. H. (ed.) (1970). *Theories of social casework.* Chicago: The University of Chicago Press Shahid M. & Jha M. (2014). Revisiting client-worker relationship: Biestek through a Gramscian Gaze. *Journal of Progressive Human Services 25*. 18-36. Summers, N. (2011). *Fundamentals of Case Management Practice: Skills for the Human Services (*HSE 210 Human Services Issues) (4th ed.). CA, USA: Brooks Cole Tracy, E. M., & Whittaker, J. K. (1989). *Social Treatment: An Introduction to interpersonal Helping in Social Work Practice.* New York: Aldinede Gruyter University of Chicago Press.
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw106%20all%20paper_12_07_16.Pdf**
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समवर्ती क्षेत्र कार्य (Concurrent Field Work)

2. पाठ्यचर्या का कोड: SWC 04

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	5
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	11
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	44
कुल क्रेडिटघंटे	60

5 पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

- समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का प्रशिक्षण
- विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्त सामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज की मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास।
- प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, कुल 18 दिनों में 04 क्रेडिट (88 घंटे) के लिए आयोजित कार्य आवंटन।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन।
- विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने संबंधी कौशलता का विकास।
- समवर्ती क्षेत्र कार्य का मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
- प्रथम सेमेस्टर में कुल 05 संस्थाओं का शैक्षणिक भ्रमण।

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- योग्य पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न व्यावहारिक स्थितियों हेतु विद्यार्थियों में जोखिम लेने और जिम्मेदारी लेने की क्षमता का विकास होगा।
- एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग (Structured Programme Setting) में व्यक्तियों और समूहों के साथ काम करने हेतु विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में जन हित और उनकी आवश्यकताओं के साथ-साथ जन सेवा एजेंसियों और संगठनों द्वारा वितरित विविध सेवाओं की गहराई में समझ विकसित होगी
- विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों और नैतिकता के लिए प्रतिबद्धता निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, प्रोग्रामिंग और प्रशासनिक क्षमताओं में सक्षमता का स्तर बढ़ेगा।
- फील्ड वर्क एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों पर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	**समवर्ती क्षेत्र कार्य का परिचय एवं उन्मुखीकरण**	5	0	0	5	8.34
	क्षेत्र कार्य अवधारणा	1				
	क्षेत्र कार्य प्रकार एवं प्रक्रिया परिचय	2				
	समवर्ती क्षेत्र कार्य की चुनौतियां एवं संभावनाएं	2				
मॉड्यूल-2	**संस्था भ्रमण**			88=44*	44	73.34
	सामाजिक सेवाओं व कल्याण से संबंधित कुल 05 संस्थाओं का भ्रमण					
मॉड्यूल-3	**वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन**	0	**10**	0	10	16.66
	प्रतिवेदन लेखन		10			
मॉड्यूल-4	मौखिकी		1		1	1.66
योग		**5**	**11**	**44**	**60**	**100.0**

***2 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

नोट: समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से प्रदान किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक छात्र को सेमेस्टर के अंत में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के लिए उपस्थित होना अनिवार्य होगा। इस तरह की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा एक **आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक** द्वारा संचालित की जाएगी। बाह्य परीक्षक की नियुक्ति महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी के निदेशक द्वारा किया जाएगा। जो भी छात्र क्षेत्र कार्य अभ्यास की आंतरिक परीक्षा में **अनुपस्थिति रहेंगे या असफल (Fail) हो जाएगें,** आगामी सेमेस्टर में प्रोन्नति का पात्र नहीं होगा।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा, सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE, LMS, YouTube, Film Screening

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति							✓	✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Kadushin, A., & Harkness, D. (2014). *Supervision in social work*. Columbia University Press. Fortune, A. E., & Abramson, J. S. (1993). Predictors of satisfaction with field practicum among social work students. *The Clinical Supervisor*, *11*(1), 95-110. Loganbill, C., Hardy, E., & Delworth, U. (1982). Supervision: A conceptual model. *The Counseling Psychologist*, *10*(1), 3-42. Panos, P. T., Panos, A., Cox, S. E., Roby, J. L., & Matheson, K. W. (2002). Ethical issues concerning the use of videoconferencing to supervise international social work field practicum students. *Journal of Social Work Education*, *38*(3), 421-437. Caspi, J., & Reid, W. J. (2002). *Educational supervision in social work*. Columbia University Press. Cleak, H., & Zuchowski, I. (2019). Empirical support and considerations for social work supervision of students in alternative placement models. *Clinical Social Work Journal*, *47*(1), 32-42.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** **गांधीय समाज कार्य**
2.
3. **Name of the Course:** **Gandhian Social Work**
4. **पाठ्यचर्याकाकोड: SWE01**
5. **क्रेडिट:** **4**
6. **सेमेस्टर:** **प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

7. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में गांधी दर्शन के मूल आधारों को स्पष्ट किया गया है। सत्य,अहिंसा और सत्याग्रह की अवधारणा महात्मा गांधी ने इन्हें किस रूप में व्याख्यायित किया और किन संदर्भों और तर्कों के माध्यम से इन्हें प्रस्तुत किया आदि विद्यार्थियों को समझाने का प्रयास किया गया है। । इस पाठ्यचर्या के माध्यम से गॉधी दृष्टि को समझाने का प्रयास किया गया हैं। गांधी जी के अहिंसात्मक संघर्ष की अवधारणा को समझाने का प्रयास किया गया है।साथ ही साथ उनके रचनात्मक कार्यक्रम को बताया गया है, जो अहिंसक समाज रचना की प्रविधि और क्षेत्रों को रेखांकित करते हैं। पाठ्यचर्या में एकादश व्रत और सर्वोदय की व्याख्या की गई है, जो गांधीय समाज कार्य को स्पष्ट करता है। गांधीय दृष्टिकोण से समाज कार्य के कौन-कौन से क्षेत्र हो सकते हैं,उनकी चर्चा इस पाठ्यचर्या में की गई है। इसके अंतर्गत सांप्रदायिक सद्भाव, ट्रस्टीशिप, स्वदेशी, अस्पृश्यता उन्मूलन जैसे कार्यों और क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है।इस पाठ्यचर्या में गांधीजी के बाद हुए अहिंसक आंदोलनों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अंतर्गत भूदान,ग्रामदान और सम्पूर्ण क्रांति का उल्लेख किया गया है। इसके पश्चात सामाजिक आंदोलनों की गांधीय प्रविधि एवं नव सामाजिक आंदोलनों का उल्लेख किया गया है। साथ ही वर्तमान समय में गांधी विचार की प्रासंगिकता की चर्चा की गई है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO	ज्ञान	➢ विद्यार्थियों में गांधीवादी विचारधारा की समझ विकसित होगी। ➢ विद्यार्थी गांधीवादी समाज कार्य की अवधारणा को समझ सकेंगें।
CLO	कौशल	➢ भारतीय समाज व्यवस्था को समझकर देशज समाज कार्य प्रणाली विकसित करने में सहयोग कर सकेंगे।
CLO	रोजगार	➢ गांधी के परवर्ती प्रासंगिक सामाजिक आंदोलनों की तकनीकों से अवगत हो सकेंगे जो रोजगार में सक्षम बनाएगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	सत्य की अवधारणा	2	2		12	20.00

गांधी दर्शन के मूल आधार	अहिंसा	2	2			
	सत्याग्रह और हिंसा पर गांधी के विचार	2	2			
मॉड्यूल-2 **गांधीय समाज कार्य - I**	अहिंसात्मक संघर्ष की अवधारणा और उसका औचित्य	2	2	4	18	30.00
	रचनात्मक कार्यक्रम और एकादश व्रत	4	2			
	सर्वोदय	2	2			
मॉड्यूल-3 **गांधीय समाज कार्य - II**	स्वदेशी और ट्रस्टीशिप	4	2	2	16	26.66
	बुनियादी शिक्षा और अस्पृश्यता उन्मूलन	2	2			
	साम्प्रदायिक सद्भाव	2	2			
मॉड्यूल-4	भूदान एवं ग्रामदान और सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन	2	2	2	14	23.34
	सामाजिक आंदोलन की गांधीय प्रविधि और सामाजिक आंदोलन	4				
	गांधी की प्रासंगिकता	2		2		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	शिक्षार्थी केंद्रित , मिश्रित अध्ययन
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा, सेमिनार,संस्था भ्रमण
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	**University LMS, You tube, Film Screening**

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति		✓	✓				✓	✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. प्रभु, आर.के.एवं राव, यू.आर. (अनु. भवानी दत्त पंड्या) (1974). महात्मा गांधी के विचार. दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट. 2. मशरूवाला, किशोरलाल. (2001). गांधी विचार-दोहन. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल. 3. सुमन, श्री रामनाथ. (1967). सत्याग्रह : निष्क्रिय प्रतिरोध, असहयोग, सविनय एवंसत्याग्रह. बनारस: उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि. 4. आचार्य,नंद किशोर (2004). सभ्यता का विकल्प. बीकानेर : वाग्देवी प्रकाशन. 5. भारत सरकार, सम्पूर्ण गांधी वांग्मय (खंड 81 व 88). नई दिल्ली:भारत सरकार. 6. गांधी,मो.क.(नवंबर,2004). रचनात्मक कार्यक्रम : उसका महत्व और स्थान(अनुवादक काशिनाथ त्रिवेदी). अहमदाबाद:नवजीवन प्रकाशन मंदिर(पुनर्मुद्रण). 7. गंगराड़े,के.डी.(2005).गांधियन एप्रोच टू डेवलपमेंट एंड सोशल वर्क. नईदिल्ली: कान्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी. 8. भारती,के.एस.(1991). द सोशल फिलासफी ऑफ महात्मा गांधी.नईदिल्ली:कान्सेप्ट पब्लिकेशन. 9. दिवाकर,आर.आर.(1946). सत्याग्रह इट्स टेक्निक्स एंड हिस्ट्री. बॉम्बे:हिंद किताब. 10. प्यारेलाल. (1969). गाँधीयन टेक्निक्स इन द मॉडर्न वर्ल्ड, अहमदाबाद:नवजीवन प्रकाशन मंदिर पुनर्मुद्रण). 11. धर्माधिकारी,दादा(1962). अहिंसक क्रांति की प्रक्रिया. वाराणसी:अखिल भारतीय सर्वसेवा संघ
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मशरूवाला, किशोरलाल. (2001). गांधी विचार-दोहन. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल। 2. कुमारप्पा, भारत(1949). गांधी फॉर पेसिफिस्ट, अहमदाबाद :नवजीवन, पृ. 147। 3. गाँधी,मो.क. (1957). फ्राम यर्वदा मंदिर : आश्रम ऑब्जर्वेसेज (अनु.वी.जी.देसाई). अहमदाबाद: नवजीवन पब्लिशिंग हाउस.पू. 53-56.

		4. सेठी, प्रो. जे.डी. (1979), द ग्रांड अल्टरनेटिव, ट्रस्टीशिप, (सं. भारतन, आर.के.) मद्रास : श्रीनिकेतन.पू. 62. 5. नारायण, श्रीमन(1973). गाँधीजी कान्सेप्ट ऑफ ट्रस्टीशिप इट्स प्रेक्टिकल इम्पलिकेशन्स. सेवाग्राम: सेवाग्राम आश्रम फाउंडेशन, पू. 22. 6. प्रधान, वेणुधर(1980). द सोशलिस्ट थॉट ऑफ महात्मा गांधी (खण्ड-2). दिल्ली:श्री डी के पब्लिकेशन्स. पृ. 428. 7.सेठी, प्रो. जे.डी. (1986). ट्रस्टीशिप एंड द क्राइसिस इन इकानॉमिक थ्योरी, ट्रस्टीशिप: द गांधियन अल्टरनेटिव, (सं. सेठी प्रो. जे.डी.) नई दिल्ली: गांधी पीस फाउंडेशन, पृ. 92. 8. गुप्ता,एस.एस.(1994). इकानॉमिक फिलॉसफी ऑफ महात्मा गांधी. नई दिल्ली : कानसेप्ट पब्लिशिंग कंपनी.प्रा.142. 9. आचार्य, नंदकिशोर. (1995). सभ्यता का विकल्प (गांधी दृष्टि का पुनरुविष्कार). बीकानेर : वाग्देवीप्रकाशन, पृ. 58. 10. आचार्य, नंदकिशोर. (2008). सत्याग्रह की संस्कृति, बीकानेर वाग्देवी प्रकाशन. पू. 76-78. 11. जोशी,शंभू. (2018). अहिंसक श्रम दर्शन,बीकानेर:वाग्देवी प्रकाशन। 12. जोशी,शंभू. मिथिलेश (2019). गांधी दर्शन के विविध आयाम,नई दिल्ली:राजकमल प्रकाशन। 13.अरविंदाक्षण. ए., मिथिलेश (2013). वुनियादी तालीम,नई दिल्ली:राजकमल प्रकाशन। 14. मिथिलेश (2010). हिंद स्वराज का सत्य,नई दिल्ली:राधाकृष्ण प्रकाशन 15. गांधी, एम. (1927). एक आत्मकथा या सत्य के साथ मेरे प्रयोग की कहानी. अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन 16. गांधी, एम. (1928). दक्षिण अफ्रिका के सत्याग्रह का इतिहास. मद्रास : ट्रिप्लीकेन 17.गांधी, एम. (1928). दक्षिण अफ्रिका के सत्याग्रह का इतिहास. मद्रास : ट्रिप्लीकेन गांधी, एम. (1909). हिंद स्वराज. अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन 18.गांधी, एम. (1909). रचनात्मक कार्यक्रम. अहमदाबाद: नवजीवन प्रकाशन 19. कुमार मनोज एवं कुमार मनोज (2020) गांधी द्वारा स्थापित आश्रम एवं संस्थाऐं नई दिल्ली: गांधी स्मृति दर्शन स्मृति
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_14_gandhi_samaj_karya.pdf https://www.indiaculture.nic.in/gandhian-heritage
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम : **गैर सरकारी संगठन का परिचय**

Name of the Course : **Introduction to NGO**

2. पाठ्यचर्या का कोड : **SWC 02** (ऐच्छिक)

3. क्रेडिट : **4**

सेमेस्टर: **प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	6
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

- प्रबंधन की प्रकृति, क्षेत्र, सिद्धांत एवं स्तर की समझ
- गैर सरकारी संगठनों की प्रस्तावना एवं संगठन प्रक्रिया संबंधी तकनीकों की समझ
- **गैर सरकारी संगठन के प्रकार, निर्माण प्रक्रिया एवं आयकर में छूट संबंधी ज्ञान का विकास**
- **परियोजना प्रबंधन एवं निर्माण की कार्य प्रणाली की समझ**

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) CLOs:

- प्रबंधन की प्रकृति, अवधारणा एवं कार्य प्रणाली को जान सकेंगे।
- गैर सरकारी संगठनों की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- गैर सरकारी संगठनों की विभिन्न परिभाषाओं एवं उद्धेश्यों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे
- गैर- सरकारी संगठनों की संरचना से अवगत हो सकेंगे।
- गैर सरकारी संगठनो की कार्यप्रणाली एवं अधिनियमों से परिचित हो सकेंगे।
- गैर सरकारी संगठन के प्रकार, निर्माण प्रक्रिया एवं आयकर में छूट से संबंधी प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/		
	प्रबंधन : परिचय एवं भूमिका	**6**	**2**	**2**	10	16.67
मॉड्यूल-1	परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र	2	1	1		
	प्रबंधन के सिद्धांत एवं स्तर	2				
	प्रबंधन के प्रकार्य	1		1		
	गैर सरकारी संगठन प्रबंधन के मुद्दे	1	1			

मॉड्यूल-2	**गैर सरकारी संगठनों की प्रस्तावना एवं संगठन संबंधी प्रक्रिया**	**12**	**2**	**2**	16	**26.67**
	गैर सरकारी संगठन – परिभाषा , अवधारणा, उद्धेश्य एवं प्रकार	**2**				
	गैर सरकारी संगठन: भारत सरकार की विभिन्न योजनाऐं	2				
	गैर सरकारी संगठन: समस्याऐं एवं निराकरण	2	1			
	संगठन पंजीकरण, संविधान और नीतियॉं	2		1		
	कार्यक्रम एवं परियोजना प्रबंधन	2		1		
	गैर सरकारी संगठन में खाते बनाना एवं वित्तीय विवरण	2	1			
मॉड्यूल-3	**गैर सरकारी संगठन के प्रकार, निर्माण प्रक्रिया एवं आयकर में छूट**	**14**	**3**	**3**	20	33.33
	सोसायटी पंजीयन अधिनियम 1860	2	1	1		
	कंपनी अधिनियम 1956	2		1		
	भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882	2				
	विदेशी अनुदान अधिनियम **1976**	2	1	**1**		
	आयकर अधिनियम 1961	2	1			
	आयकर अधिनियम **80G**	**2**				
	आयकर अधिनियम **35AC**	**2**				
मॉड्यूल-4	**परियोजना प्रबंधन**	11	2	1	14	23.33
	परियोजना प्रबंधन अर्थ**,** परिभाषा एवं बुनियादी अवधारणा	2				
	परियोजना प्रबंधन विशेषता**,** उद्धेश्य एवं महत्व	2				
	परियोजना की पहचान	1	1			
	परियाजना जीवन चक्र और चरण	2				
	परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया और परियोजना चयन	2		1		
	लघु एवं विस्तृत परियोजना प्रस्ताव निर्माण	2	1			
योग		39	11	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा, सेमिनार

तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE, LMS, YouTube, Film Screening

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति					✓	✓		✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

- देसाई, वसंत (2009). प्रबंधन के सिद्धांत, नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.

वर्ष - प्रथम

सेमेस्टर - द्वितीय

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समाज कार्य के क्षेत्र**
(Name of the Course): **Fields of Social Work**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **SWC 05**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: **द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	38
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

समाज कार्य व्यवसाय का दायरा व्यापक और असीमित है। इस व्यवसाय में व्यक्ति एवं उसकी समस्या पर केंद्रित सारे संगठन या क्षेत्र सम्मिलित होते हैं। दूसरी ओर इसमें ऐसे भी क्षेत्र सम्मिलित होते है, जो लोगों की मदद करने से जुड़े हैं। यह पाठ्यक्रम समाज कार्य के विभिन्न क्षेत्रो से संबंधित समझ को विकसित करता है। यह पाठ्यक्रम स्कूल और अन्य सेवारत संगठनों, अस्पतालों, चिकित्सा क्लीनिक और नर्सिंग होम, मानसिक स्वास्थ्य एजेंसियों और कई अन्य क्षेत्रों में लोगों के बीच कार्यरत संस्थाओं एवं उसके कार्यों के बारे में परिचय प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- सामाजिक कार्य के पारंपरिक क्षेत्रों की समझ का विकास होगा।
- सामाजिक कार्य के विभिन्न क्षेत्रों की बुनियादी समझ विकसित होगी।
- सामाजिक कार्य के उभरते हुए क्षेत्रों की समझ विकसित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 परिवार और बाल कल्याण एवं	1. परिवार और बाल कल्याण : संकल्पना, अर्थ, कार्यक्षेत्र, संस्थाएं और संगठन, योजनाएं, कार्यक्रम	**3**	1		17	**28.33**
	2. भारत में परिवार और बाल कल्याण सेवाएं	**2**	**1**			

चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय समाज कार्य	3.चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय समाज कार्य: संकल्पना, अर्थ, कार्यक्षेत्र, संस्थाएं, संगठन, योजनाएं एवं कार्यक्रम	**3**	1	1		
	4. भारत में चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीयसमाज कार्य: भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली, कार्यक्रम और सेवाएं।	**3**	**1**	**1**		
मॉड्यूल-2 श्रम कल्याण, कार्मिक प्रबंधन और सुधारात्मक प्रतिवेश(Setting)	1. श्रम कल्याण प्रशासन के क्षेत्र: श्रम कल्याण की अवधारणा, परिभाषा और अर्थ	**3**	1	1	**20**	**33.33**
	2.भारत में श्रम कल्याण और कार्मिक प्रबंधन: भारत में मजदूरों के लिए प्रमुख कल्याण कार्यक्रम	**3**	**1**	**1**		
	3.अपराधशास्त्र एवं सुधार प्रशासन: परिचय परिभाषा, कारण और अपराध का वर्गीकरण	**3**	**1**	**1**		
	4. भारत में अपराधशास्त्र एवं सुधार प्रशासन	**3**	**1**	**1**		
मॉड्यूल-3 सामुदायिक विकास	1. सामुदायिक विकास का परिचय : शहरी, ग्रामीण और जनजातीय समुदाय की अवधारणा, अर्थ एवं कार्यक्षेत्र	**4**	1	1	**12**	**20.00**
	2. भारत में सामुदायिक विकास योजनाएं, कार्यक्रम और, प्रमुख संस्थानों और संगठनों की भूमिका	**4**	**1**	**1**		
मॉड्यूल-4 समाज कार्य के समकालीन क्षेत्र	1. सामाजिक कार्य, जराचिकित्सा सामाजिक कार्य, असंगठित श्रम, लैंगिक न्याय, आपदा प्रबंधन	**4**	1	1	**11**	**18.34**
	2. पर्यावरण संरक्षण, आत्महत्या रोकथाम, मानव तस्करी, आघात प्रबंधन, युवा कल्याण और विकास, संघर्ष, महिलाओं और विकास में बच्चे।	**3**	**1**	**1**		
योग		**38**	**12**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य के विभिन्न क्षेत्रों की बुनियादी समझ विकसित करना।	समाज कार्य के पारंपरिक क्षेत्रों को समझाना।	समाज कार्य के उभरते हुए क्षेत्रों को समझाना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण** **(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bhattacharya Sanjay: Social Work and Integrated Approaches; New Delhi DeepPublications. • Choudhary D.Paul: Introduction to Social workEncyclopedia of Social work (1987) Encyclopedia of social Work in India; NewDelhi,Publication division, Ministry of welfare • Dulmus, C. N., & Sowers, K. M. (2012). *Social work fields of practice: Historical trends, professional issues, and future opportunities*. John Wiley & Sons. • Canda, E. R., Furman, L. D., & Canda, H. J. (2019). *Spiritual diversity in social work practice: The heart of helping*. Oxford University Press, USA. • Sattler, J. M. (1998). *Clinical and forensic interviewing of children and families: Guidelines for the mental health, education, pediatric, and child maltreatment fields*. Jerome M Sattler Publisher. • Payne, M. (2014). *Modern social work theory*. Oxford University Press. • Healy, K. (2014). *Social work theories in context: Creating frameworks for practice*. Macmillan International Higher Education. • Allen, S. F., Tracy, E. M., Strom-Gottfried, K., Nelson, K., Cahn, K., Holliday, M., ... & Briar-Lawson, K. Part II: Home-Based Services in Social Work Fields of Practice.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/** **msw_03_samaj_kary_28_07_16.Pdf**
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** **ग्रामीण समुदाय में काम करने के कौशल**

(Name of the Course): **Skills to Work in Rural Community**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **SWE 06**
3. **क्रेडिट:** **4**
4. **सेमेस्टर:** **प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	12
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. **पाठ्यचर्या विवरण** (Description of Course): यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाज कार्य संबंधी विविध कौशल से परिचित कराएगा। यह कौशल खास कर ग्रामीण क्षेत्र में समाज कार्य को केंद्र बनाएगा और विद्यार्थियों को ग्रामीण समुदायों के साथ कार्य करने में कुशल बनाएगा। यह पाठ्यक्रम न केवल ग्रामीण समुदायों संबंधी कौशल की सैद्धांतिक प्रस्तुत करेगा बल्कि यह कौशल संपादन करने के लिए कौशल प्रयोगशाला (Skill Lab) द्वारा कौशल निर्माण भी करेगा। अंतत: यह पाठ्यक्रम अभ्यार्थियों को ग्राम उन्मुख समाज कार्यकर्ता बनने में मदद करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी समाज कार्य संबंधी विभिन्न कौशलों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में ग्रामीण समुदाय में कार्य करते समय उपयुक्त कौशल निर्मिती प्राप्त होगी।
- कुशल ग्रामीण समाज कार्यकर्ता निर्मिती होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **स्व कौशल**	आलोचनात्मक सोच एवं दृष्टी, जानकारी एकत्र करना, संबल, धैर्य, व्यावसायिक प्रतिबद्धता, जनवकालत, उर्ध्व	**3**	**2**	1	**12**	**20**
	अधोगामी एवं क्षैतिज संचार, सक्रीय श्रवण, ग्रामीण सांस्कृतिक सक्षमता, आयोजन, व्यवस्थापन, कार्य	**3**	**1**	**2**		

	सीमांकन, सहयोग, प्रोत्साहन					
मॉड्यूल-2 **ग्रामीण समुदाय कौशल**	जरूरतों / समस्याओं की पहचान, जरूरतों का मूल्यांकन, जरूरतों / समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर क्रम लगन, उप समुदायों की पहचान	3	**2**	1	**17**	**28.34**
	ग्रामीण गतिकी की पहचान, संसाधन पहचान (आतंरिक एवं बाह्य), संसाधन जुटाना (आतंरिक एवं बाह्य), स्वोट परिक्षण, ग्राम सभा एवं उसका आयोजन	**3**	**2** **2**	**1** **1**		
	संचार, जन संचार. जन सहभागिता निर्माण	**2**				
मॉड्यूल-3 **पीआरए**	ग्रामीण सहभागिता मूल्यांकन, ग्रामीण मूल्यांकन, उद्देश निर्धारण, हस्तक्षेप योजना निर्माण	2	1	1	**14**	23.33
	ग्राम सभा का आयोजन , बैठकों का आयोजन	**2**	**2**	**1**		
	अभिलेखन एवं परियोजना निर्माण	**2**	**2**	**1**		
मॉड्यूल-4 **दस्तावेजीकरण**	सारांश एवं संक्षेप, समुदाय प्रोफाइल निर्माण	2	**2**	**1**	**17**	28.33
	संस्थाओ की प्रोफाइल निर्माण, मानचित्र निर्माण	**3**	**2**	1		
	आर टी आई आवेदन, बैठक कार्यवृत्त लेखन, आवेदन लेखन	**3**	**2**	**1**		
योग		**28**	**20**	**12**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों को समाज कार्य संबंधी कौशल से परिचित करना।	ग्रामीण समुदाय में कार्य करते समय उपयुक्त कौशल निर्मिती करना।	कुशल ग्रामीण समाज कार्यकर्ता निर्मिती करना।	समाज कार्य क्षेत्र में सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों में स्पष्टता विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Perlman, H. H. (1957). *Social casework: A problem-solving process* (Vol. 10). University of Chicago press. Fischer, J. (1973). Is casework effective? A review. *Social work*, *18*(1), 5-20. Timms, N. (2018). *Language of Social Casework*. Routledge. Christensen, D. N., Todahl, J., & Barrett, W. C. (2020). *Solution-based casework: An introduction to clinical and case management skills in casework practice*. Routledge. Bullis, R. K. (2013). *Spirituality in social work practice*. Taylor & Francis. Pinderhughes, E. B. (1983). Empowerment for our clients and for ourselves. *Social casework*, *64*(6), 331-338.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्याका नाम: समाज कार्य कौशल भाग- 2**

(Name of the Course): **(Social Work Skill) - II**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **SWC 07**
3. **क्रेडिट:** **2**
4. **सेमेस्टर:** **द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	05
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) यह पाठ्यक्रम अभ्यर्थियों को समाज कार्य संबंधी विविध कौशल से परिचित करेगा। प्रथमतः यह पाठ्यक्रम अभ्यर्थियों को समाज कार्य की प्राथमिक प्रणालियों के साथ साथ द्वितीय प्रणालियों संबंधी कौशलो को भी निर्मित करने के अपना योगदान देगा। साथ ही समाज कार्य की विविध प्रणालियों से संबंधित कौशल का प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यह प्राथमिक एवम द्वितीयक प्रणालियों में सामुदायिक संगठन और सामाजिक क्रिया एवम समाजकार्य अनुसंधान एवम समाज कल्याण प्रशिक्षण आदि को मुख्य रूप से सम्मिलित करेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम अभ्यर्थी को सूचना और प्रौद्योगिकी संबंधी कौशल भी निर्मित कारनेमे अपना योगदान देगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी समाज कार्य संबंधी विभिन्न कौशलों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में ग्रामीण समुदाय में कार्य करते समय उपयुक्त कौशल निर्मिती प्राप्त होगी।
- कुशल ग्रामीण समाज कार्यकर्ता निर्मिती होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सामाजिक समुदाय संगठन एवं सामाजिक क्रिया संबंधी कौशल:	जरूरतों / समस्याओं की पहचान, जरूरतों का मूल्यांकन, जरूरतों / समस्याओं का प्राथमिकता के अधर पर क्रम लगना, ट्रांजिट वॉक, बैठकों का आयोजन, उप समुदायों की पहचान, समुदाय गतिकी की पहचान, संसाधन पहचान (आतंरिक एवं बाह्य),	3	1	1	10	33.33

	संसाधन जुटाना (आतंरिक एवं बाह्य), स्वोट परिक्षण, संचार, जन संचार.					
	जन सहभागिता निर्माण, समुदाय सहभागिता मूल्यांकन, हस्तक्षेप योजना निर्माण। विशिष्ट उद्देश्यों का निर्माण, लोकतांत्रिक कामकाज एवं निर्णय प्रक्रिया, आतंरिक संसाधनों के इष्टतम उपयोग, सांस्कृतिक अभिविन्यास, समस्या विश्लेषण, संसाधन गतिशीलता, संघर्ष समाधान, नेटवर्किंग, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, मध्यस्तता, उर्ध्व, अधोगामी, एवं क्षैतिज संचार, पारदर्शिता, जवाबदेही पक्ष जुटाव, अभियान निर्माण, समझौता वार्ता, प्रतिवेदन लेखन एवं प्रस्ताव लेखन।	3	1	1		
<u>मॉड्यूल-2</u> **समाज कार्य अनुसंधान एवं समाज कल्याण प्रशासन संबंधी कौशल:**	प्रस्ताव एवं प्रतिवेदन लेखन, सामाजिक समस्याओं की पहचान करना, सामाजिक समस्याओं का प्रभाव समझना, प्रदीर्घ स्तर पर हस्तक्षेप रणनीति निर्माण	3	1	1	13	43.33
	साक्षात्कार, अवलोकन, व्यापक सोच, प्रशासन, प्रशिक्षण, समन्वय और पर्यवेक्षण, बजट निर्माण, प्रशासन में संचार, निर्णय लेना,	3	1	1		
	संघर्ष समाधान, तथ्य संस्करण, फ्लो चार्ट निर्मिती, जनसंपर्क और नेटवर्किंग, मानव और संस्थागत संसाधनों का निर्माण।	3				
<u>मॉड्यूल-3</u> **सूचना और प्रौद्योगिकी संबंधी कौशल:**	संगणक अनुप्रयोग, एम. एस. ऑफिस (वर्ड, एक्सेल, पॉवर पॉइंट, आउटलुक, इन्टरनेट अनुप्रयोग, ईमेल आयडी निर्माण, मेल भेजना, डाटा मनेजमेंट, नेटवर्किंग	3	1	1	7	23.34
	जन संचार एवं प्रसारण के विविध माध्यम, सोशल मीडिया का उपयोग, फाइल मैनेजमेंट, संचार के आभासी माध्यम का उपयोग, दस्तावेजीकरण में आभासी माध्यम का उपयोग।	2				
योग		**20**	**05**	**05**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज में व्यक्ति की भूमिका और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव को समझना।	अभ्यार्थियों को समाज कार्य में प्रयुक्त विविध विधियों सम्बन्धी कौशल से परिचित कराना।।	समाज कार्य की विविध तकनीको के साथ कार्य करते समय उपयुक्त कौशल निर्मिती कराना	कुशल समाज कार्यकर्ता निर्मिती करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resource

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** **समवर्ती क्षेत्र कार्य**
(Name of the Course) **Concurrent Field Work**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **SWC 08**
3. **क्रेडिट:** **4**
4. **सेमेस्टर:** द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. **पाठ्यचर्या विवरण (**Description of Course)

- समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का प्रशिक्षण
- विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्त सामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज की मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास।
- सप्ताह में दो दिन विद्यार्थी को न्युनतम **6-6 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **12 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा
- इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **दो वैयक्तिक सेवा कार्य** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन।
- विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने संबंधी कौशलता का विकास।
- समवर्ती क्षेत्र कार्य का मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।
- विद्यार्थियों को एजेंसी में व्यक्तियों साथ काम करने के तरीके से दक्ष बनाना।
- मानो-सामाजिक समस्याओं का निर्वचन, अन्वेषन, निदान और मूल्यांकन करने में सक्षम बनाना।
- समाज में व्यक्तियों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- वैयक्तिक सेवा कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सा. वै. सेवा कार्य उन्मुखीकरण	सा. वै. सेवा कार्य अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.66
मॉड्यूल-2 सामाजिक वैयायक्तिक सेवा कार्य	चयनित एजेंसी में दो सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास			50=100*	100	83.34
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन				9	9	15
मॉड्यूल-4 प्रतिवेदन	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**120**	**100.00**

*2 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति							✓	✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Perlman, H. H. (1957). *Social casework: A problem-solving process* (Vol. 10). University of Chicago press. Fischer, J. (1973). Is casework effective? A review. *Social work*, *18*(1), 5-20. Timms, N. (2018). *Language of Social Casework*. Routledge. Christensen, D. N., Todahl, J., & Barrett, W. C. (2020). *Solution-based casework: An introduction to clinical and case management skills in casework practice*. Routledge. Bullis, R. K. (2013). *Spirituality in social work practice*. Taylor & Francis. Pinderhughes, E. B. (1983). Empowerment for our clients and for ourselves. *Social casework*, *64*(6), 331-338.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. नाम: **देशज समाज कार्य**
(Name of the Course) : **Indigenious Social Work**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **SWE 03**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: **द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	15
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

- इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशज समाज कार्य पद्धति की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से समझने और उन्हें इसके अनुप्रयोग की समझ को बदलते परिदृश्य में आत्मसात करने के लिए प्रशिक्षित करना है।
- समाज कार्य की देशज प्रविधियों की समझ विद्यार्थियों में पैदा करना एवं भारतीय समाज कार्य के अर्थ, उद्देश्य एवं स्वरुप का अध्ययन करना
- विद्यार्थियों को समाज कार्य के देशज प्रयोगों का दस्तावेजीकरण करने के योग्य बनाना ताकि वे इन देशज प्रयोगों का अनुप्रयोग कर व्यक्ति एवं समाज को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में देशज समाज कार्य पद्धति की समझ का विकास करना।
- विद्यार्थियों को स्वदेशीकरण एवं भारतीयकरण के आत्मबोध को समझने के लिए तैयार करना।
- विद्यार्थी देशज समाज कार्य के विभिन्न मॉडल को समझ कर एवं उसका दस्तावेजीकरण करके अन्य क्षेत्रों में इसका प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **भारतीयकरण, देशीकरण एवं स्वदेशीकरण**	1. भारतीयकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2		15	25
	2. देशीकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2			
	3. स्वदेशीकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2			
मॉड्यूल-2 **समाज कार्य की देशज प्रविधि**	**1.** समाज कार्य के पश्चिमी अवधारणा की सीमाएँ	3	2		15	25
	2. देशज प्रविधि का अर्थबोध	3	2			
	3. प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रणाली	3	2			
मॉड्यूल-3 **भारतीय समाज कार्य**	1. **भारतीय समाज कार्य** : अर्थ, स्वरुप, अवधारणा,	3	1		08	13.33
	2. भारतीय समाज कार्य का सैद्धांतिक आधार	3	1			
मॉड्यूल-4 **कार्य के देशज प्रयोग**	1. चित्रकूट मॉडल, कनेरी मॉडल एवं कन्याकुमारी मॉडल	5	3		22	36.67

				3		
	2. मेंडा-लेखा मॉडल, अहमदनगर, रत्नागिरी एवं रालेगांव मॉडल	5	3	3		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓				✓	✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**

		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Dash, B. M., Kumar, M., Singh, D. P., & Shukla, S. (Eds.). (2020). *Indian Social Work*. New Delhi: Taylor & Francis. Dash, B. M., Kumar, M., & Shukla, S. (Eds.). (2020). *Social Work in India*. New Delhi: Concept Publication. Kulkarni, P. D. (1993). The indigenous base of social work profession in India. *Indian Journal of Social Work*, *54*, 555-555. Pulla, V. R., Das, T. K., & Nikku, B. R. (2020). Indigenous or Blended Model for South Asian Social Work?. *Space and Culture, India*, *8*(1), 40-58. Mehta, A. K., & Satpathy, T. (2008). Escaping poverty: the Ralegan Siddhi case. *Available at SSRN 1538891*.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Gray, M., Coates, J., & Bird, M. Y. (Eds.). (2008). *Indigenous social work around the world: Towards culturally relevant education and practice*. Ashgate Publishing, Ltd.. Rowe, S., Baldry, E., & Earles, W. (2015). Decolonising social work research: Learning from critical Indigenous approaches. *Australian Social Work*, *68*(3), 296-308. Faith, E. (2016). Indigenous social work education: A project for all of us?. In *Indigenous social work around the world* (pp. 273-284). Routledge. Mukundarao, K. (1969). Social work in India: Indigenous cultural bases and the processes of modernization. *International Social Work*, *12*(3), 29-39. Pawar, M. (2014). *Social and community development practice*. SAGE Publications India. Singh, K. (1991). Determinants of people's participation in watershed development and management: An Exploratory Case Study. *Indian journal of agricultural economics*, *46*(902-2018-2844), 278-286. Peshave, V. D. Complete Transformation via Entrepreneurial Innovation, Model of Excellence: Hiware Bazar. Kerswell, T., & Pratap, S. (2019). Neoliberalism vs. Village Collectivism: A Success Story from an Indian Village. In *Worker Cooperatives in India* (pp. 115-140). Palgrave Macmillan, Singapore. Fenelon, J. V., & Hall, T. D. (2008). Revitalization and indigenous resistance to globalization and neoliberalism. *American Behavioral Scientist*, *51*(12), 1867-1901.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. **नाम: पर्यावरण प्रबंधन**

(Name of the Course) : Eniviorment Manegment

2. पाठ्यचर्या का कोड: SWE 04

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	15
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	पर्यावरण - अर्थ, परिभाषा एवं अवधारण	3	2		15	25
	पारिस्थितिकी - पारिस्थितिकी तन्त्र की परिभाषा, महत्व। उदा. वनीय, घास का मैदान, रेगिस्तान एवं जलीय पारिस्थितिकी तन्त्र खाद्य श्रंखला, खाद्य जाल, पारिस्थितिकी स्तूप, पारिस्थितिकी अनुक्रमण	3	2			
	प्राकृतिक संसाधन - परिचय, विभिन्न प्राकृतिक संसाधन का महत्व, संरक्षण एवं स्रोता उदाहरण वन, जल, खनिज	3	2			
मॉड्यूल-2 पर्यावरण प्रदूषण	प्रदूषण जल ध्वनि, वायु, उष्मीय एवं नाभकीय प्रदूषण की परिभाषा, कारण, प्रभाव और रोकथाम	3	2		15	25

	ठोस कचरा एवं आपदा प्रबन्धन परिभाषा, अर्थ, प्रकार, प्रभाव एवं बचाव के उपाय राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, आपदा प्रबन्धन नीति।	3	2			
	प्रदूषण नियंत्रण रोकथाम एवं समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएं	3	2			
मॉड्यूल-3 सामाजिक मुद्दे एवं पर्यावरण	पर्यावरणीय संरक्षण कानून एवं अधिनियम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन क्षति, शहरी पर्यावरणीय समस्या, रोकथाम एवं समाज कार्यकर्ता की भूमिका	3	1		08	13.33
	सुरक्षा के आंदोलन - चिपको आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, एन. जी. ओ. सरकारी एजेन्सी, अंतरराष्ट्रीय एजेन्सी, सामाजिक कार्यकर्ता	3	1			
मॉड्यूल-4 पर्यावरण एवं मानवीय जनसंख्या	जनसंख्या वृद्धि, विस्फोट, जन्मदर, मृत्युदर एवं संख्या घनत्व। परिवार कल्याण कार्यक्रम	5	3	3	22	36.67
	पर्यावरण एवं मानवीय स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामुदायिक सहभागिता पर्यावरण में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका।	5	3	3		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓				✓	✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	.

3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

5. नाम: **देशज समाज कार्य**

6.

(Name of the Course) : **Indigenious Social Work**

7. पाठ्यचर्या का कोड: **SWE 03**

8. क्रेडिट: **4**

9. सेमेस्टर: **द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	15
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

- इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशज समाज कार्य पद्धति की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से समझने और उन्हें इसके अनुप्रयोग की समझ को बदलते परिदृश्य में आत्मसात करने के लिए प्रशिक्षित करना है।
- समाज कार्य की देशज प्रविधियों की समझ विद्यार्थियों में पैदा करना एवं भारतीय समाज कार्य के अर्थ, उद्देश्य एवं स्वरुप का अध्ययन करना
- विद्यार्थियों को समाज कार्य के देशज प्रयोगों का दस्तावेजीकरण करने के योग्य बनाना ताकि वे इन देशज प्रयोगों का अनुप्रयोग कर व्यक्ति एवं समाज को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में देशज समाज कार्य पद्धति की समझ का विकास करना।
- विद्यार्थियों को स्वदेशीकरण एवं भारतीयकरण के आत्मबोध को समझने के लिए तैयार करना।
- विद्यार्थी देशज समाज कार्य के विभिन्न मॉडल को समझ कर एवं उसका दस्तावेजीकरण करके अन्य क्षेत्रों में इसका प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **भारतीयकरण, देशीकरण एवं स्वदेशीकरण**	4. भारतीयकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2		15	25
	5. देशीकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2			
	6. स्वदेशीकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2			
मॉड्यूल-2 **समाज कार्य की देशज प्रविधि**	**4.** समाज कार्य के पश्चिमी अवधारणा की सीमाएँ	3	2		15	25
	5. देशज प्रविधि का अर्थबोध	3	2			
	6. प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रणाली	3	2			

मॉड्यूल-3 **भारतीय समाज कार्य**	3. **भारतीय समाज कार्य** : अर्थ, स्वरुप, अवधारणा,	3	1		08	13.33
	4. भारतीय समाज कार्य का सैद्धांतिक आधार	3	1			
मॉड्यूल-4 **कार्य के देशज प्रयोग**	3. चित्रकूट मॉडल, कनेरी मॉडल एवं कन्याकुमारी मॉडल	5	3	3	22	36.67
	4. मेंडा-लेखा मॉडल, अहमदनगर, रत्नागिरी एवं रालेगांव मॉडल	5	3	3		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓				✓	✓	✓

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Dash, B. M., Kumar, M., Singh, D. P., & Shukla, S. (Eds.). (2020). *Indian Social Work*. New Delhi: Taylor & Francis. Dash, B. M., Kumar, M., & Shukla, S. (Eds.). (2020). *Social Work in India*. New Delhi: Concept Publication. Kulkarni, P. D. (1993). The indigenous base of social work profession in India. *Indian Journal of Social Work*, *54*, 555-555. Pulla, V. R., Das, T. K., & Nikku, B. R. (2020). Indigenous or Blended Model for South Asian Social Work?. *Space and Culture, India*, *8*(1), 40-58. Mehta, A. K., & Satpathy, T. (2008). Escaping poverty: the Ralegan Siddhi case. *Available at SSRN 1538891*.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Gray, M., Coates, J., & Bird, M. Y. (Eds.). (2008). *Indigenous social work around the world: Towards culturally relevant education and practice*. Ashgate Publishing, Ltd.. Rowe, S., Baldry, E., & Earles, W. (2015). Decolonising social work research: Learning from critical Indigenous approaches. *Australian Social Work*, *68*(3), 296-308. Faith, E. (2016). Indigenous social work education: A project for all of us?. In *Indigenous social work around the world* (pp. 273-284). Routledge. Mukundarao, K. (1969). Social work in India: Indigenous cultural bases and the processes of modernization. *International Social Work*, *12*(3), 29-39. Pawar, M. (2014). *Social and community development practice*. SAGE Publications India. Singh, K. (1991). Determinants of people's participation in watershed development and management: An Exploratory Case Study. *Indian journal of agricultural economics*, *46*(902-2018-2844), 278-286. Peshave, V. D. Complete Transformation via Entrepreneurial Innovation, Model of Excellence: Hiware Bazar. Kerswell, T., & Pratap, S. (2019). Neoliberalism vs. Village Collectivism: A Success Story from an Indian Village. In *Worker Cooperatives in India* (pp. 115-140). Palgrave Macmillan, Singapore. Fenelon, J. V., & Hall, T. D. (2008). Revitalization and indigenous resistance to globalization and neoliberalism. *American Behavioral Scientist*, *51*(12), 1867-1901.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

वर्ष – द्वितीय

सेमेस्टर- प्रथम

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17

(Name of the Course): Social Case Work

2. पाठ्यचर्याकाकोड: SWC 09

व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिटघंटे	60

3. क्रेडिट: 4

4. वर्ष : द्वितीय सेमेस्टर: प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

यह पाठ्यचर्या सामाजिक व्यक्ति सेवा कार्य (केसवर्क) के रूप में ज्ञात प्राथमिक समाज कार्य विधियों में से एक विधि के बारे में बोध प्रदान करता है। यह पाठ्यचर्या व्यक्तियों के साथ काम करने के तरीके और व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास एवं उसके सामाजिक एवं पर्यावरणीय विकास को प्रभावित करता है। यह विद्यार्थियों को व्यक्ति के साथ काम करने के लिए जुड़ाव बनाने में सहयोग प्रदान करता है, जो कि एक बहुआयामी दृष्टिकोण से व्यक्ति की समस्याओं और मुद्दों को देखने व समझने की पद्धति के विकास में योगदान देता है। इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य चिकित्सकों को व्यक्ति की विशिष्टता, सामर्थ्य, मुद्दों, उनकी बाधाओं और कठिनाइयों से जोड़ना एवं उनकी समस्या को हल करने के लिए उनकी क्षमताओं और विकल्पों को बढ़ाकर लोगों के साथ काम करने के उद्देश्य से परिष्कृत कौशल का विकास कराना है। व्यक्ति, इस विधि का मुख्य केंद्र बिंदु है जिसे एक इकाई के रूप में माना जाता है। कार्यकर्ता इस विश्वास के साथ कार्य करता है कि कोई भी व्यक्ति समाज का एक महत्वपूर्ण घटक है। अतः यह पाठ्यचर्या व्यक्ति एवं व्यक्ति की मनोसामाजिक समस्याओं को समझने में तथा मानवीय लक्ष्यों को पूरा करने में विद्यार्थी के लिए सहायक सिद्ध होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- व्यक्तियों के साथ कार्य करने एवं सूक्ष्म स्तर पर हस्तक्षेप करने की समझ विकसित होगी;
- वैयक्तिक सेवा कार्य (केस वर्क) प्रैक्टिस के विभिन्न तरीकों, प्रक्रियाओं और हस्तक्षेपों की समझ एवं कौशल विकसित होंगें;
- विभिन्न परिप्रेक्ष्य (सेटिंग्स) में व्यक्तियों के साथ काम करने का कौशल और तकनीक विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल एवं तकनीकी का विकास होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 वैयक्तिक सेवा कार्य का परिचय व आधार	1. वैयक्तिक सेवा कार्य विधि परिचय	1	1	1	11	18.34
	2. वैयक्तिक सेवा कार्य विधि: अर्थ, संकल्पना एवं परिभाषा	2	1	1		
	3. दार्शनिक मान्यताएं, मूल्य, उद्देश्य, एवं महत्व।	2	1	1		
मॉड्यूल-2 वैयक्तिक सेवा कार्य का ऐतिहासिक विकास	1.भारत में वैयक्तिक सेवा कार्य का इतिहास	2	1	1	13	21.67
	2. अमेरिका में वैयक्तिक सेवा कार्य का इतिहास	2	1	1		
	3.ब्रिटेन में वैयक्तिक सेवा कार्य का इतिहास	2	2	1		
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक सेवा कार्य	1. वैयक्तिक सेवा कार्य के घटक, वैयक्तिक सेवा कार्य प्रैक्टिस में फेज / चरण और अवस्थाएँ	3	2	1	17	28.33

एक विधि के रूप में	2. वैयक्तिक सेवा कार्यकर्ता की भूमिका	2	2	1		
	3. वैयक्तिक सेवा कार्य के तकनीक और उपकरण।	2	2	2		
मॉड्यूल-4 वैयक्तिक सेवा कार्य के सिद्धांत और दृष्टिकोण	1. वैयक्तिक सेवा कार्य के सिद्धांत: परिचय एवं उपयोगिता	4	2	2	19	31.66
	2. वैयक्तिक सेवा कार्य के दृष्टिकोण: समस्या समाधान दृष्टिकोण, पारिवारिक चिकित्सा दृष्टिकोण, संकट कालीन हस्तक्षेप दृष्टिकोण, कार्यात्मक दृष्टिकोण, व्यवहार संशोधन दृष्टिकोण	6	2	3		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य की सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य पद्धति को समझना।	व्यक्तियों की विशिष्टता को स्वीकार करना और स्वयं सहायता के कौशल को बढ़ावा देकर सेवार्थी के व्यक्तित्व को मजबूत करने की दिशा में कौशल विकसित करना।	विभिन्न परिप्रेक्ष्य (सेटिंग्स) में व्यक्तियों के साथ काम करने का कौशल और तकनीक विकसित करना

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Bannerjee G.R.(1967), Concept of Being and Becoming in the Practice of social work,Mumbai: Tata Institute of Social Science. Bannerjee G.R. (1971), some Thought on Professional self in Social work, Indian Journal ofSocial work, Mumbai: Tata Institute of Social Science. Friendlander W.A. (1987), Concept and Methods of social work, Englewood cliffs, PrenticeHall. Fischer Joel, (1978), Effective Case Work Practice: An Eclectic Approach, New York: Mcgraw Hill book Co. Mathew G. (1987), Case Work in Encyclopedia of Social Work in India, Delhi: Ministry ofSocial Welfare Nursten J., (1974), Process of Case Work, GB: Pitman Publication Perlman H., (1957), Social Case Work: A Problem Solving Process, Chicago: University ofChicago. Pippins J. (1990) Developing Case Work Skills, Caliph: Sage Publication Richmond M.E., (1922), What is Social Case Work? An Introductory description, New York: Russell Sage Publication Timms N., (1964), Social Case Work Principles and Practice, London: Routledge and KeganPaul. Timms N., (1972), Recording in Social Case Work , London: Routledge and Kegan Paul.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw06_17_03_17.Pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **मानव वृद्धि, विकास एवं व्यवहार की गतिकी**

(Name of the Course): Dynamics of Human Growth, Development and Behaviour

2. पाठ्यचर्या का कोड: SWC 10

3. क्रेडिट: **4**

4. वर्ष : द्वितीय **सेमेस्टर: प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास में मानवीय व्यवहार को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक संकल्पनाओं की समझ विकसित करना है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से व्यक्ति एवं उसके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं, सिद्धांत एवं व्यक्तित्व के निर्धारक तत्वों को समझने की अंतर्दृष्टि विद्यार्थियों में विकसित करनी है। पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए

मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं को लागू करने में छात्रों को सक्षम करना है। मानव व्यवहार,उसका समायोजन एवं उसके असामान्य व्यवहार से विद्यार्थियों को अवगत कराना है, जिससे वे विभिन्न मनोसामाजिक प्रक्रियाओं को समझ कर समाज में अभिप्रेरणा, सामाजीकरण, अभिवृति एवं संवेदना प्रत्यक्षीकरण को समझ कर कार्य कर सकें और समाज की मनोदशा को समझते हुए उनमे मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का विकास हो सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में मानव व्यवहार के मूलभूत घटकों की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में व्यक्तित्व के विकास में योगदान करने वाले कारकों के प्रति अंतर्दृष्टि विकसित होगी।
- मनुष्य के जीवन काल के विभिन्न चरणों में व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास की निर्मित किस प्रकार होती है उसकी समझ छात्रों में विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में समायोजन और असमायोजन की प्रक्रियाओं की समझ विकसित होगी और मानव व्यवहार पर इसके पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या एवं उसका विश्लेषण करने में वे सक्षम होंगें।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूलसंख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 मनोविज्ञान का परिचय	1. मनोविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास,मनोविज्ञान की शाखाएँ,सामान्य , असामान्य, बाल, शैक्षिक, औद्योगिक, नैदानिक, समुदाय और आपराधिक	4	1	1	12	20.00
	2.मनोविज्ञान के तरीके :अवलोकन, मामला- इतिहास, सर्वेक्षण, प्रश्नावली, साक्षात्कार।	4	1	1		
मॉड्यूल-2 अधिगम	1. अधिगम : परिभाषा क्लासिकल कंडीशनिंग, ट्रायल एंड एरर लर्निंग, इनसाइट लर्निंग, अवलोकनात्मक अधिगम	4	1	1	12	20.00
	2. प्रेरणा: परिभाषा, प्रेरणा चक्र, प्रेरणा के प्रकार, प्रेरणा का संघर्ष और संघर्ष समाधान	4	1	1		
मॉड्यूल-3 स्मृति	1. स्मृति : स्मृति के एटकिंसन और शिफरीन मॉडल, स्मृति के प्रकार, रिटेंशन के टेस्ट: रिकॉल, रिटेंशन और रिलिजिंग। स्मृतिका सुधार करना। भूलना: सिद्धांतों और भूलने के कारण।	5	2	2	16	26.66
	2.व्यक्तित्व : परिभाषा, व्यक्तित्व के निर्धारक एवं सिद्धांत	5	1	1		
मॉड्यूल-4 मनोविकार	1. मनोविकृति: समायोजन और असमायोजन, सामान्यता और असामान्यता	4	1	1	20	33.33
	2.न्यूरोटिक विकार: चिंता, ओसीडी, हिस्टीरिया, फोबिया आदि के लक्षण	5	1	1		
	3. साइकोटिक विकार : सिज़ोफ्रेनिया, मूड डिसऑर्डर-लक्षण और कारणमीमांसा	5	1	1		
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानव व्यवहार के मूलभूत घटकों को समझना।	व्यक्तित्व के विकास में योगदान करने वाले कारकों में अंतर्दृष्टि की प्राप्ति।	समायोजन की प्रक्रियाओं को समझने और समायोजन न करने और मानव व्यवहार पर इसके प्रभावों की समझ।	जीवन काल में विभिन्न चरणों में व्यक्ति के विकास और विकास को समझना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Baron,R.A.(1995). Psychology: The essential Science, New York Allyn and Bacon. 2. Lefton , M.A.(1985)Psychology, Boston Allyn and Baron. 3. Morgan ,C.T. & King, R.A.(1986)Introduction to Psychology, New York,McGrawhil 4. Mangal, S. K. (2010)An Introduction to Psychology, Sterling Publisher Pvt. LtdI Mangal, S. K. (2013)General Psychology, Sterling Publisher Pvt. Ltd 5. Ronald J. Comer, Fundamentals of Psychology 7th Edition 6. Gerald Davidson, John Neale , Abnormal Psychology
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Crisp, R. J., & Turner, R. N. (2014). *Essential social psychology*. London: Sage 2. Baron, R. A., Byrne, D., & Bhardwaj. G. (2014). *Social psychology* (12th Ed). New Delhi:

		Pearson 3. Tiwari, A. K. (2009). *Psychological perspectives on social issues and human development.* New Delhi: Concept 4. Kenneth, R. W., & Laursen, B. B. (2011). *Hand book of peer interactions relationships and groups.* New York: Guilford Publications 5. Venkatraman, S. (2017). *Social media in south India*. London: UCL press 6. Geoffrey Beattie Andrew W Ellis (2017). *The psychology of language and communication*. London: Routledge 7. Saraswathi, T. S. (2003). *Culture, socialization and human development: Theory, research and applications in India*. New Delhi: Sage Publications 8. Rao, K. R., & Paranjpe, A. C. (2017). *Psychology in the Indian Tradition*. New York: Springer 9. Kite, M. E., & Whitley, B. E. Jr. (2016). *Psychology of prejudice and discrimination* 3rd Edition New York: Routledge
3	ई-संसाधन	http://www.apa.org http://propaganda.mediaeducationlab.com/learn/ http://www.anthropology-news.org/index.php/2018/04/09/a- http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_04_ vyaktitw_and_vyawhar_28_07_16.Pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समवर्ती क्षेत्र कार्य
(Name of the Course): Concurrent Field work

2. पाठ्यचर्या का कोड: SWC 11

3. क्रेडिट: 4

4. वर्ष : द्वितीय सेमेस्टर:प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

सिद्धांत एवं पाठ्यक्रमों के अलावा प्रत्येक छमाही के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जाता है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्तसामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज के मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से

अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास किया जाता है ताकि विद्यार्थियों में इन मुद्दों के प्रति समझ विकसित हो सके। समवर्ती क्षेत्र कार्य में तृतीय सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, 18 दिनों में 04 क्रेडिट (100 घंटे) के लिए आयोजित किया जाता है। सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **6 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **12 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य शिक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **सामाजिक समूह कार्य** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को इस व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- सामाजिक समूह कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।
- एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया से अवगत करना।
- विद्यार्थियों में समूहों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।
- सामाजिक समूह कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सामाजिक समूह कार्य उन्मुखीकरण	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.66
मॉड्यूल-2 सामाजिक वैयायक्तिक सेवा कार्य	चयनित एजेंसी में सामाजिक समूह कार्य अभ्यास			100=50*	50	83.34
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन				9	9	15

मॉड्यूल-4 प्रतिवेदन	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**60**	**100.00**

***2 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।	विद्यार्थियों को सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया से अवगत करना।	विद्यार्थियों में समूहों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।	सामाजिक समूह कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Wilson, G., & Ryland, G. (1949). Social group work practice. Toseland, R. W., & Rivas, R. F. (2005). An

		introduction to group work practice. Lee, J. A., & Hudson, R. E. (1996). The empowerment approach to social work practice. *Social work treatment: Interlocking theoretical approaches*, *4*, 218-249. Papell, C. P., & Rothman, B. (1966). Social group work models: Possession and heritage. *Journal of Education for Social Work*, *2*(2), 66-77. Rutledge, A. L. (1958). Essentials of Social Group Work Skills. Wayne, J., & Garland, J. (1990). Group work education in the field. Wall, T. D., & Clegg, C. W. (1981). A longitudinal field study of group work redesig. *Journal of Organizational Behavior*, *2*(1), 31-49.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: संघर्ष प्रबंधन

(Name of the Course): Conflict Manegment

2. पाठ्यचर्या का कोड: SWE 05

3. क्रेडिट: **4**

4. वर्ष : द्वितीय **सेमेस्टर: प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम: कल्याणकारी योजनाएं**

(Name of the Course): Conflict Manegment

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** SWE 06
3. **क्रेडिट:** 4
4. **वर्ष : द्वितीय** **सेमेस्टर: प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिटघंटे	60

वर्ष : द्वितीय

सेमेस्टर : द्वितीय

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** **सामुदायिक संगठन**

(Name of the Course): **Community Organization**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **SWC 12**
3. **क्रेडिट:** **4**
4. **वर्ष : द्वितीय** **सेमेस्टर : द्वितीय**

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

यह पाठ्यचर्या समाज कार्य की प्राथमिक विधियों में से एक महत्वपूर्ण विधि है जिसके अंतर्गत सामूहिक मुद्दों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यचर्या समुदाय के महत्व को समझने के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन और परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में विद्यार्थियों को अवगत कराता है। इसमें समुदाय की अवधारणा और सामुदायिक समाज कार्य को समझाने का प्रयत्न किया जाता है। समाज कार्य की एक प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन एवं सामुदायिक संगठन के विभिन्न प्रारूपों और दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को अवगत कराने एवं उनको व्यावहारिक जीवन में उपयोग में कैसे लाया जाय? इसको समझाने का प्रयत्न किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारत में सामुदायिक संगठन के विभिन्न मुद्दों और सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता की भूमिका को रेखांकित किया गया है।यह पाठ्यचर्या "समुदाय" की बारीकियों को समझने को आधार बनाता है, जिसमें उन्हें काम करने की आवश्यकता होती है। साथ ही यह विस्तृत (मैक्रो) अभ्यास डोमेन से जुड़े अवधारणा, मूल्य आधार, सिद्धांत, दृष्टिकोण, मॉडल और कौशल को समझने एवं उनका विश्लेषण करने में यह विद्यार्थियों की सहायता करता है। समकालीन वैश्वीकरण और बहु-सांस्कृतिक संदर्भ में रखे गए आकर्षक समुदायों में सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह पाठ्यचर्या सामुदायिक नियोजन और सामुदायिक कार्य से जुड़े मुख्य ज्ञान और महत्वपूर्ण कौशल/दक्षताओं को छात्रों को प्रदान कर उनके नींव को मजबूत आधार प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में सामुदायिक एवं सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास के विविध संदर्भों की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों में सामुदायिक संगठन अभ्यास के समकालीन संदर्भों एवं सामुदायिक कार्य से संबंधित अवधारणाओं एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण की समझ विकसित करना।
- सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास से जुड़े सैद्धांतिक आधार और मूल्य अभिविन्यास के बारे में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।
- विद्यार्थियों में सामुदायिक समझ, मूल्यांकन, आयोजन, योजना, विकास और प्रगतिशील सामाजिक परिवर्तन से संबंधित ज्ञान और कौशल का विकास करना।
- वैचारिक दृष्टिकोण का पता लगाने एवं व्यावहारिक रूप से समाज कार्य हस्तक्षेप और विश्लेषण कौशल का विद्यार्थियों में विकास करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **समुदाय का परिचय**	1. समुदाय: संकल्पना, अवधारणा एवं विशेषताएँ	2			6	10.00
	2.समुदाय की संरचना एवं प्रकार्य	2				
	3. समुदाय के परिप्रेक्ष्य में समाज कार्य	2				
मॉड्यूल-2 **समाज कार्य की एक विधि के रूप में समुदाय संगठन**	1. समुदाय संगठन: संकल्पना, अवधारणा एवं परिचय	2	2	1	16	26.66
	2.सामुदायिक विकास और सामुदायिक संगठन: परिचय, अंतर एवं अंतर्संबंध	2	2	1		
	3.सामुदायिक संगठन के सिद्धांत, अर्थ एवं उपयोगिता	3	2	1		

मॉड्यूल-3 समुदाय संगठन के मॉडेल	1. रोथमैन का सामुदायिक संगठन का मॉडल :स्थानीय विकास, सामाजिक नियोजन और सामाजिक क्रिया	2	2	1	15	25.00
	2. समुदाय संगठन संबंधी अवधारणाएँ: शक्ति संरचना, सशक्तिकरण, सामुदायिक भागीदारी	2	2	1		
	3.समुदाय संगठन कार्यकार्यकर्त्ता की भूमिका :परामर्शक,सामर्थ्य प्रदाता , विशेषज्ञ, चिकित्सक, एडवोकेट, शिक्षक, इत्यादि	2	2	1		
मॉड्यूल-4 सामुदायिक संगठन की रणनीतियाँ और उपकरण	1. सामुदायिक संगठन की रणनीतियाँ : जन वकालत, सामुदायिक बैठक, प्रशिक्षण, कार्य योजना	3	2	1	12	20.00
	2. सामुदायिक संगठन में उपकरण: सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (**PRA**), सहभागी त्वरित मूल्यांकन, जनहित याचिका (**PIL**)	3	2	1		
मॉड्यूल-5 सामुदायिक संगठन में कौशल और प्रतिवेदन लेखन	1. सामुदायिक संगठन में कौशल: सूचना एकत्रित करना। सामुदायिक रूपरेखा का अवलोकन और विश्लेषणात्मक कौशल, सुनना और प्रतिक्रिया कौशल, संघर्ष समाधान, मूल्यांकन	3	2	1	11	18.34
	2.प्रतिवेदन लेखन : प्रकार, स्वरुप, उपयोग प्रक्रिया प्रतिवेदन, विस्तृत प्रतिवेदन, सारांश लेखन एवं संक्षेप लेखन	2	2	1		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	'समुदाय' को एक गतिशील इकाई के रूप में समझना और उसका विश्लेषण करना।	सामुदायिक संगठन अभ्यास की अवधारणा, दृष्टिकोण और मॉडल को समझने के लिए।	सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास से जुड़े सैद्धांतिक आधार और मूल्यअभिविन्यास के बारे में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।	सामाजिक न्याय और मानवाधिकार आधारित संदर्भ में समुदायों को संलग्न करने के लिए ज्ञान और क्षमता विकसित करना।	समुदायों के साथ काम करने के लिए प्रासंगिक व्यवहार और कौशल को एकीकृत करने के लिए।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Arora R.K. (Ed.) 1979 People Participation in Development Process : Essays in honour of B. Mehta, Jaipur: the HCM State Institute of Public Administration 2. Banmala (1987) Community Organization, Nagpur: Indian Institute ofYouth Welfare. 3. Batten, T.R.1962 The non-Directive Approach in Group and CommunityWork, London : Oxford University Press. 4. Brager, G. and Specht, H.1969 Community Organization, New York: ColumbiaUniversity press. 5. Batten, T.R. 1965 The Human Factor in community Work, London:Oxford University Press. 6. Christopher A.J. & Community Organization & Social Action, New Delhi,Himalaya Publishing House. 7. Dandavate, M. 1977 Marx and Gandhi, Bombay: Popular Prakashan Pvt.Ltd. 8. Dayal, R. 1960 Community Development Programme in India,Allahabad: KitabMahal Publishers. 9. Gandhi M.K. 1958 Sarvodaya (The Welfare of all), Ahmedabad :NavjivanPublishing House. 10. Gangrade K. D. 1971 Community Organization in India, Bombay : PopularPrakashan. 11. Kulkarni V.V (2014) Social Work and Community Organization, Agra,Current Publications. 12. Kulkarni V.V (2014) Community Organization Process and Social Work,Agra, Current Publications. 13. Kulkarni V.V (2014) Dimensions of Community Work, Agra, CurrentPublications. 14. Kulkarni V.V (2014) Dynamics of Community Organizationand SocialWork, Agra, Current Publications. 15. Lal, A.K. 1977 Politics of Poverty: a study of bonded labour, NewDelhi :ChetanaPublications. 16. Moya H., Jones D. 1974 Community Work, London: Routledge and KeganPaul. 17. McMiller, W. 1945 Community Organisation for social welfare, Chicago:University of Chicago Press. 18. Murphy, C. G. 1954 Community Organisation Practice, Boston: HoughtonMifflin Co. 19. National Conference on Community Organisation, Paper presented at the 88thAnnual Forun of the National Conference on SocialWelfare. New York: Columbia University Press. 20. Patnaik, U. and Chains of Servitude, Bondage and Slavery in India.Madras 21. Dingwaney, M. 1985 Sangam Books Pvt. Ltd.Polson and Sanderson, 1979 Rural Community Organisation, New York: JohnWiley and Sons. 22. Ramchandra Raj, G. 1974 Functions and Dysfunctions of social Conflict,Bombay: Popular Prakashan.

2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Bauman, Z. (2001). *Community: Seeking safety in an insecure world.* Polity Press. 2 Cohen, A. P. (1985). *Symbolic construction of community*. Tavistock Publications and Ellis Horwood Limited. 3 Stepney, P., & Popple, K. (2008). *Social work and the community: A critical context for practice.* Palgrave Macmillan. 4 Ife, J. (2013). *Community development in an uncertain world: Vision, analysis and practice.* Cambridge University Press. 5 Freire, P. (1972). *Pedagogy of the oppressed*. Penguin. 6 Ledwith, M., & Springett, J. (2010). *Participatory practice: Community-based action for transformative change*. The Policy Press 7 Mullaly, B. (2010). *Challenging oppression and confronting privilege* (2nd edition). Oxford University Press. 8 Gray, M., Coates, J., & Yellow Bird, M. (2008). *Indigenous social work around the world: Towards culturally relevant education and practice.* Ashgate. 9 Weil, M. (1996). *Community practice: Conceptual models*. The Haworth press Inc. 10 Pawar M. (2010). *Community development in Asia and the Pacific*. Routledge. 11 Gamble, Dorothy N., & Weil Marie University Press. (2010). *Community practice skills: Local to global perspectives.* Columbia University Press.
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw08_17_10_16.Pdf**
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक समूह कार्य
(Name of the Course): Social Group Work
2. पाठ्यचर्या का कोड: SWC 13
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: द्वितीय वर्ष : द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	21
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	11
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

सामाजिक समूह कार्य (समूहों के साथ समाज कार्य) सामाजिक कार्य अभ्यास की एक प्राथमिक और महत्वपूर्ण विधि है, जिसमें समूह अनुभव का उपयोग व्यक्तिगत हित साधनों को प्रभावित करने के लिए और विभिन्न हितधारकों के बीच आपसी सहायता को सुविधाजनक बनाने के लिए, एक सहायता प्रणाली के रूप में किया जाता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य किसी भी समस्या ग्रस्त समूह में सकारात्मक पारस्परिक संबंधों को विकसित करने के लिए समूह सेटिंग में व्यक्तियों के साथ कार्य करने के लिए मूल्यों, सिद्धांतों, ज्ञान

और तकनीकों का निर्माण करना है एवं विद्यार्थियों में कौशल का विकास करना है। विद्यार्थियों को समूह व्यवहार, सामाजिक गतिशीलता को समझने और सामूहिक स्तर पर लोगों के साथ मिलजुल कर काम करने के लिए प्रेरित करना है। सामाजिक समूह कार्य सामूहिक सक्रियता को बढ़ाने और समूह में व्यक्तियों के अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाने में मदद करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में समूह को एक गतिशील सामाजिक इकाई के रूप में समझने और समूह की सहायता लिए संसाधनों तक पहुँचने की समझ विकसित होगी।
- समूह कार्य अभ्यास के विभिन्न सेटिंग्स में समूह कार्य पद्धति के अनुप्रयोग की व्यावहारिक समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
- समूह कार्य अभ्यास के लिए विभिन्न सैद्धांतिक रूपरेखाओं और उनके अनुप्रयोगों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी
- प्रभावी सामाजिक समूह कार्य अभ्यास के लिए विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल विकसित होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सामाजिक समूह कार्य का परिचय**	1. समूह कार्य का अर्थ एवं प्रकृति, समूह कार्य की परिभाषा,समूह के प्रकार और विशेषताएँ	2	1	1	10	16.66
	2. सामाजिक समूह कार्य, उद्देश्य सामाजिक समूह कार्य का उद्देश्य और विकास, समूह कार्य में सदस्यता, अवस्थाएँ, चरण।	3	2	1		
मॉड्यूल-2 **सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया**	1. समूह प्रक्रिया : फोर्मिंग, स्टॉर्मिंग, नोर्मिंग एवं परफोर्मिंग	2	2	1	17	28.33
	2. समूह के प्रकार: समूह के प्रकार प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह औपचारिक एवं अनौपचारिकसमूह अंत:समूह एवं बाह्य समूह संदर्भ समूह मनोरंजनात्मक समूह इत्यादि, कौशल विकास समूह इत्यादि	3	2	1		
	3. समूह गतिशीलता : अर्थ एवं परिभाषा, नेतृत्व, अलगाव, निर्णय लेने, संचार, संबंध स्थापन, संघर्ष, व्यक्तिगत अनुभवों, बॉन्ड, उप-समूह में प्रक्रिया।	3	2	1		
मॉड्यूल-3 **सामाजिक समूह कार्य एक विधि के रूप में**	1. सामाजिक समूह कार्य: उद्देश्य,समूह कार्य के मूल्य एवं सिद्धांत	2	2	1	16	26.66
	2. सामाजिक समूह कार्य के दृष्टिकोण: व्यवहार विश्लेषण दृष्टिकोण, व्यवहार संशोधन दृष्टिकोण, मानवीय दृष्टिकोण।	3	2	1		
	3. सामाजिक समूह कार्यकर्ता की भूमिकाएं : विभिन्न प्रकार के समूहों में समूह कार्यकर्ता की भूमिका	2	2	1		
मॉड्यूल-4	1. समूह कार्य में कौशल: सुविधा, नेतृत्व और	3	2	1	17	28.33

समूह कार्य में कौशल, तकनीक और मूल्यनाकन	नेतृत्व, विकास, सरल रिकॉर्डिंग, प्रकार					
	2. समूह कार्य में तकनीक: कार्यक्रम के लक्ष्य और सिद्धांत, कार्यक्रम की योजना और कार्यान्वयन, विकास योजना की अवधारणा	3	2	1		
	3. समूह कार्य मूल्यांकन के विभिन्न तरीके	2	2	1		
योग		**28**	**21**	**11**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	व्यावसायिकसमाज कार्य की एक विधि के रूप में सामाजिक समूह कार्य की समझ विकसित करना।	समूह प्रक्रियाओं और समूह कार्य अभ्यास के विभिन्न आयामों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए कौशलात्मक समझ विकसित करना।	विविध सेटिंग्स में समूहों के साथ काम करने के लिए कौशल और दक्षता विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**

सं.		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Alissi A.S., (1980), Perspectives on Group Work Practice : A Book of Readings,New York: The Free Press. • Balgopal P.R. and Vassil, (1983), Group in Social Work- An Ecological Perspective,New York: Macmilian Publishing Co. Inc. • Brandler S. and Roman C.P., (1991)Group Work Skills and Strategies for EffectiveInterventions, New York: The Haworth Press. • Brandler S. and Roman C.P., (1999)Group Work Skills and Strategies for EffectiveInterventions, New York: The Haworth Press. • Charles H. Zastrow (2009) , Social Work with Groups, New Delhi: RawatPublication, (Indian Reprint 2010) • Garwin C. (1987), Contemporary Group Work, New York: Prentice-Hall inc. • Kemp C.G. (1970), Perspectives on Group Process: School of social welfare,Albany: State University of New York. • Konopka G. (1963), Social Group Work: A Helping Process: Englewood cliff. NJ ,Prentice- Hall inc. • Kurland R. & Salmon R. (1998), Teaching a Method in Working with Groups,Alexandria: Council on Social Work Education. • Middleman R.R., (1968), The Non-verbal Method in working with groups. • Northen H., (1969), Social Work with groups, New York: Columbia UniversityPress. • Pepil C.P. and Rothman B., Social Work with groups, New York: The Haworth Press • Sundel M. Glasser P. Sarri R. Vinter, (1985), Individual Change Through SmallGroups,New York: The Pree Press. • Siddique H.Y., (2008) Group Work: Theories and Practice, Rawat Publication. • Toselance R.W., (1984), An Introduction to Group Work Practice, New York:Macmilan Publication Co. • TreckerHarleigh B. (1990), Social Group Work: Principles and Practice, New York:Association Ptress.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw07_17_10_16.Pdf
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** **समवर्ती क्षेत्र कार्य**
(Name of the Course): **Concurrent Field work**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **SWC 14**
3.
4. **क्रेडिट:** **4**
5. **सेमेस्टर:** **द्वितीय वर्ष : द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

सिद्धांत एवं पाठ्यक्रमों के अलावा प्रत्येक छमाही के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जाता है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्तसामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज के मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास किया जाता है ताकि विद्यार्थियों में इन मुद्दों के प्रति समझ विकसित हो सके। समवर्ती क्षेत्र कार्य में तृतीय सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, 18 दिनों में 04 क्रेडिट (100 घंटे) के लिए

आयोजित किया जाता है। सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **6 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **12 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य शिक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **सामाजिक समूह कार्य** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को इस व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- सामाजिक समूह कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।
- एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया से अवगत करना।
- विद्यार्थियों में समूहों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।
- सामाजिक समूह कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सामाजिक समूह कार्य उन्मुखीकरण	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.66
मॉड्यूल-2 सामाजिक वैयायक्तिक सेवा कार्य	चयनित एजेंसी में सामाजिक समूह कार्य अभ्यास			100=50*	50	83.34
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन				9	9	15
मॉड्यूल-4 प्रतिवेदन	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**60**	**100.00**

***2 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।	विद्यार्थियों को सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया से अवगत करना।	विद्यार्थियों में समूहों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।	सामाजिक समूह कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Wilson, G., & Ryland, G. (1949). Social group work practice. Toseland, R. W., & Rivas, R. F. (2005). An introduction to group work practice. Lee, J. A., & Hudson, R. E. (1996). The empowerment approach to social work practice. *Social work treatment: Interlocking theoretical approaches*, *4*, 218-249. Papell, C. P., & Rothman, B. (1966). Social group work models: Possession and heritage. *Journal of Education for Social Work*, *2*(2), 66-77.

		Rutledge, A. L. (1958). Essentials of Social Group Work Skills. Wayne, J., & Garland, J. (1990). Group work education in the field. Wall, T. D., & Clegg, C. W. (1981). A longitudinal field study of group work redesig. *Journal of Organizational Behavior*, *2*(1), 31-49.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **संचार के तकनीक और उपकरण**

(Name of the Course) : **Tools and Technique of Communication**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **SWE 07**

3. क्रेडिट: **4**

4. सेमेस्टर: **द्वितीय** **वर्ष : द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास में सुचना एवं संचार तकनीक की प्रासंगिकता से विद्यार्थियों को अवगत करना है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में सुचना एवं संचार तकनीक के महत्व को समझने के लिए समाज कार्य के विद्यार्थियों को उन्मुख करना है। रोजमर्रा की जिंदगी में, सूचना प्रोद्योगिकी समाज में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कई समाज परिवर्तक कारकों का सामाजिक समस्याओं के निबटान में प्रभावी रूप से सूचना प्रोद्योगिकी का उपयोग करने में सक्षम करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- समाज कार्य व्यवसाय में सूचना प्रोद्योगिकी के महत्व के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना।
- .विभिन्न सामाजिक समूहों और समुदायों द्वारा विशेष रूप से सूचना प्रोद्योगिकी के उपयोग की अंतर पहुंच और प्रभाव का विश्लेषण। सूचना प्रोद्योगिकी उपयोग, प्रबंधन और नियंत्रण की नीति और विनियामक ढांचे के प्रति विद्यार्थियों में समझ को बढ़ाना।
- सामाजिक कार्य अभ्यास में सूचना प्रोद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए कौशल और दक्षता का विकास विद्यार्थियों में करना।
- वैयक्तिक स्व एवं व्यावसायिक स्व के अंतर्संबंधों को समझने की योग्यता का विकास विद्यार्थियों में करना ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 संचार और समाज कार्य	1. बुनियादी संचार : संचार का अर्थ, संचार प्रक्रिया, संचार प्रक्रिया के सिद्धांत; संचार में बाधाएं।	3	2	1	12	20.00
	2.सामाजिक कार्य व्यवहार में संचार : सामाजिक कार्य व्यवहार में संचार का महत्व	3	2	1		
मॉड्यूल-2 संचार की विधि और तकनीक	1. संचार की विधि - मौखिक और लिखित; औपचारिक और अनौपचारिक; अनकहा संचार; बैठकों और सार्वजनिक बोलने के माध्यम से संचार	3	2	1	12	20.00
	2.संचार तकनिकी : इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से संचार	3	2	1		
मॉड्यूल-3 समाज कार्य और सूचना प्रोद्योगिकी	1. सामाजिक कार्य में सूचना प्रोद्योगिकी का महत्त्व	3	2	1	18	30.00
	2., संचार और प्रौद्योगिकी की संकल्पना और अर्थ	3	2	1		
	3. सामाजिक परिवर्तन संदर्भों में सूचना प्रोद्योगिकी के अनुप्रयोग, कार्य और महत्व	3	2	1		
मॉड्यूल-4 विभिन्न तकनीकी उपकरणों का अभिविन्यास	1. विभिन्न तकनीकी उपकरणों का अभिविन्यास : ऐप्स, मोबाइल, जीआईएस, ई-मैप, ब्लॉग, सामुदायिक रेडियो	3	2	1	12	20.00
	2.सोशल नेटवर्किंग साइटों के लिए अभिविन्यास : फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, स्काइप	3	2	1		
मॉड्यूल-5 वैयक्तिक स्व एवं व्यावसायिक स्व	1. वैयक्तिक स्व एवं व्यावसायिक स्व : संकल्पना, अर्थ एवं अंतर	3	2	1	6	10.00
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम

विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक कार्य अभ्यास के संदर्भ में आईसीटी की भूमिकाओं और महत्व को समझना।	विभिन्न तकनीकी उपकरणों और प्रमुख सामाजिक परिवर्तन के लिए इसके अनुप्रयोग के बारे में जानना।	विभिन्न सामाजिक परिवर्तन संदर्भों में सामाजिक मुद्दों को हल करने के लिए आवेदन की सुविधा के लिए छात्रों के बीच मुख्य तकनीकी दक्षताओं को विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Lishman, Joyce (1994) Communication in Social Work, New York : Palgrave MacMillan. 2. Dhama, O. P & Bhatnager, O.P. (1994) Education and Communication for Development New Delhi: Oxford & IBG Pub. Co. Pvt; Ltd. 3. Alvia A Goldberg, Carl Lason (1975) Group Communication: Discussion Process and Application, New Jersey : Prentice Hall, Inc, Eaglewood Cliffs. 4. Beryl, Williams (1977) Communicating Effectively, New Delhi: Sterling Publications. 5. Chopra, BS. KS. (1987) Leadership for Indian Manager, Pune: Times Research Foundation. 6. Crispin Cross P. (1974) Interviewing and Communication, Bostan : Routledge

		and Kegen Paul
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Brownlee, K., Graham, J. R., Doucette, E., Hotson, N., & Halverson, G. (2009). Have communication technologies influenced rural social work practice?.*British Journal of Social Work, 40*(2), 622-637. 2 Chan, C. (2016). ICT-supported social work interventions with youth: A critical review. *Journal of Social Work*, 1468017316651997. 3 Grint, K., & Woolgar, S. (2013). *The machine at work: Technology, work and organization*. John Wiley & Sons. 4 Hellawell, S. (2001). *Beyond access: ICT and social inclusion* (Vol. 54). Fabian Society. 5. Warschauer, M. (2004). *Technology and social inclusion: Rethinking the digital divide.* MIT press.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

विद्यालयी समाज कार्य

ऐच्छिक पाठ्यचर्या सूची (02 क्रेडिट)
गांधियन समाज कार्य
भारतीय समाज कार्य
संघर्ष प्रबंधन
पर्यावरण जागरूकता

	ग्रामीण समुदाय में काम करने के कौशल
	गैर सरकारी संगठन का परिचय
	सामुदायिक स्वास्थ्य
	कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी
	श्रमिक समाज कल्याण
	सामाजिक क्रिया अनुसंधान
	वृद्धावस्था समाज कार्य
	समाज भाषा विज्ञान